RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -58 | मूल्यः 2.00 रु. | अलवर, रविवार 11 मई, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 10

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

पाकिस्तान ने कुछ घंटे बाद ही तोड़ा संघर्ष विराम, केंद्र सरकार ने सेना को दिया फ्री हैंड

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

चार दिनों से जारी ऑपरेशन सिंदूर को समाप्त करने के लिए भारत और पाकिस्तान की तरफ से शनिवार शाम पांच बजे से संघर्ष विराम की घोषणा की गई, लेकिन इसके तीन घंटे बाद ही पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन करते हुए सीमा पार से एलओसी से लेकर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलीबारी शुरू कर दी।

सेना और बीएसएफ ने इसका करारा जवाब दिया

भारतीय सेना और बीएसएफ ने इसका करारा जवाब दिया। रात्रि 11 बजे भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने पाकिस्तान को संघर्ष विराम उल्लंघन के लिए दोषी करार देते हुए उसे चेतावनी दी कि वह स्थिति की गंभीरता को ठीक तरह से समझे और सीमा पार से होने वाले आक्रमण को रोके।

केंद्र ने सेना को सख्ती से पलटवार करने को कहा

भारत ने अपनी सेना को भी साफ निर्देश दिया है कि वह पाकिस्तान की तरफ से होने वाले किसी भी आक्रमण का पूरी ताकत से जवाब दे। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच मौजूदा तनाव के खत्म होने को लेकर जो उम्मीद बंधी थी, वह फिलहाल संदेह के घेरे में है। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को लेकर सहमति बनने की सबसे पहली घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की। ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य विवाद खत्म कराने का श्रेय भी अमेरिका को दिया और दोनों देशों को बधाई दी, लेकिन भारत का कहना है कि समझौता भारत एवं पाकिस्तान के बीच सीधी वार्ता से हुआ है।

शाम पांच बजेः भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा

इस घोषणा के बाद सैन्य कार्रवाई खत्म करने को लेकर आधिकारिक घोषणा करते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा, 'पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने शनिवार को भारतीय समयानुसार 3.35 बजे भारत के सैन्य संचालन महानिदेशक से बातचीत की। दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी कि शनिवार को भारतीय समयानुसार पांच बजे से भूमि, वायु और समुद्र में सभी फायरिंग और सैन्य कार्रवाई को रोक दिया जाएगा। समझौता लागू करने के लिए दोनों पक्षों को निर्देश दे दिए गए हैं। सैन्य संचालन महानिदेशक 12 मई, 2025 को फिर से भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजे वार्ता करेंगे।' इस घोषणा के तीन घंटे बाद ही पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कई जगहों पर संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया। सूत्रों के अनुसार अखनूर, राजौरी और आरएस पुरा सेक्टरों में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी सेना ने तोपखाने से गोलाबारी की। बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजर्स की फायरिंग का पूरी ताकत से जवाब दिया। सेना ने बाद में कहा कि सीमा पर फायरिंग रुक गई है। पाकिस्तान की ओर से श्रीनगर, ऊधमपुर, बारामुला और बड़गाम में बड़ी संख्या में ड्रोन आते हुए देखे गए थे जो बाद में वापस चले गए। इस दौरान जोगवां में आतंकियों ने घुसपैठ की भी कोशिश की।

वार्ता की पेशकश पाकिस्तान के डीजीएमओ की तरफ से हुई थी

हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया, 'फायरिंग और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत हुई। शनिवार दोपहर वार्ता की पेशकश पाकिस्तान के डीजीएमओ की तरफ से हुई थी। दोनों में बात हुई और सहमति पर पहुंचा जा सका। अभी किसी और मुद्दे पर, किसी और जगह बात करने को लेकर कोई सहमति नहीं बनी है।' यह साफ करता है कि भारत की सहमति सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर को लेकर है। हाल ही में भारत ने सिंधु जल समझौते को स्थगित करने या पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों की संख्या घटाने या वहां की कई वेबसाइटों पर रोक लगाने जैसे जो फैसले किए हैं, उनको नहीं बदला जा रहा है।

विदेश मंत्री जयशंकर के इस बयान से भी स्पष्ट हुई बात

यह बात विदेश मंत्री जयशंकर के इस बयान से भी स्पष्ट होती है, 'भारत और पाकिस्तान के बीच फायरिंग और सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर सहमति बनाने का काम हो गया है। भारत लगातार किसी भी तरह के आतंकवाद के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं करने के अपने रुख पर कायम है। हम आगे भी इसी रुख पर अडिग रहेंगे।' इसी तरह से पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने एक्स पर लिखा, 'भारत और पाकिस्तान तुरंत संघर्ष विराम लागू करने पर तैयार हो गए हैं। पाकिस्तान अपनी संप्रभुता और अखंडता से कोई समझौता किए बगैर हमेशा इस क्षेत्र में शांति व स्थिरता का समर्थन करता रहा है।'

ऑपरेशन सिंदूर सौ से ज्यादा आतंकियों के मारे जाने की सूचना

22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद भारत ने सात-आठ मई की मध्यरात्रि में पाकिस्तान के नौ शहरों में स्थित आतंकी शिविरों पर हमला किया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसमें सौ से ज्यादा आतंकियों के मारे जाने की सूचना है। इसके बाद पाकिस्तान के उकसावे पर भारत ने आठ-नौ मई की रात्रि में भी पाकिस्तान के कई ठिकानों पर मिसाइलों व ड्रोन से हमला किया था।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री बोले- आखिर संघर्ष विराम का क्या हुआ

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर सवाल किया, ''आखिर संघर्ष विराम का क्या हुआ? श्रीनगर में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं!'' ड्रोन हमले का वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कहा, ''यह कोई संघर्ष विराम नहीं है। श्रीनगर में अभी-अभी गोलीबारी की गई है।'' हालांकि बाद में उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि यह कोई युद्ध विराम नहीं है। श्रीनगर के मध्य में हवाई रक्षा इकाइयों ने अभी-अभी गोलीबारी शुरू की है। इसके बाद विदेश सचिव मिसरी ने देर रात एक और प्रेस कान्फ्रेंस की और कहा कि पिछले कुछ घंटों के दौरान दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच बनी सहमति का पाकिस्तान की तरफ से कई बार उल्लंघन किया गया है। भारतीय सेना इस पर सही तरीके से जवाबी कार्रवाई कर रही है। आगे कहा कि हम इस उल्लंघन को काफी गंभीरता से ले रहे हैं। हम पाकिस्तान से अपील करते हैं कि वह इस उल्लंघन को लेकर उचित कार्रवाई करे और इसे गंभीरता व उत्तरदायित्व से ले। भारतीय सैन्य बल पूरी तरह से सतर्क हैं और उन्हें किसी भी तरह के अतिक्रमण पर कठोरता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

संघर्ष विराम पर सहमति बनाये जाने का पूरा श्रेय ट्रंप प्रशासन को दिया

बाद में अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक विस्तृत बयान जारी कर संघर्ष विराम पर सहमति बनाये जाने का पूरा श्रेय ट्रंप प्रशासन को दिया गया। इसमें बताया गया कि विदेश मंत्री रूबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पिछले 48 घंटे में भारत व पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों, विदेश मंत्रियों, पाकिस्तान के सेना प्रमुख और भारत के एनएसए से अलग अलग बात की है। अमेरिका के अतिसक्रिय होने के पीछे की वजह यह मानी जा रही है कि इस हफ्ते ट्रंप प्रशासन का पूरा ध्यान अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता और अमेरिका-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर है। ऐसे में अमेरिका ने दक्षिण एशिया के दो परमाणु संपन्न देशों के बीच सैन्य तनाव बढ़ने की खुली छूट देने का जोखिम नहीं लिया।

ट्रंप का दावा- रातभर मध्यस्थता के बाद हुआ संघर्ष विराम

उधर, पाकिस्तान की तरफ से देर रात किए गए उल्लंघन से पहले और मिसरी का आधिकारिक बयान आने से तकरीबन 30 मिनट पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से एक्स पर लिखा गया, 'अमेरिका की तरफ से मध्यस्थता में रातभर चली बातचीत के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। समझबूझ और जबर्दस्त बुद्धिमता दिखाने के लिए दोनों देशों को बहुत-बहुत धन्यवाद।'

ऑपरेशन सिंदूर का मकसद पूरी तरह से सफल रहा

भारत का मानना है कि ऑपरेशन सिंदूर का मकसद पूरी तरह से सफल रहा है। न सिर्फ पाकिस्तान स्थित प्रमुख आतंकी ठिकानों को खत्म किया गया है, बल्कि थल, वायु और नौसेना के बीच जबर्दस्त तालमेल का भी परीक्षण हो गया है। भारत ने पाकिस्तान को यह भी साफ कर दिया कि आगे अगर उस पर आतंकी हमला हुआ तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रहेगा।

बलूचिस्तान में बीएलए ने पाक सेना का किया बुरा हाल, सरकारी ठिकानों और पुलिस पर किए जबरदस्त हमले

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा क्वेटा

पाकिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने सेना, पुलिस और कई सरकारी ठिकानों समेत 39 स्थानों पर हमला कर सरकारी तंत्र को भारी नुकसान पहुंचाया है। बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के लिए दशकों से संघर्ष कर रही बीएलए भारत के साथ पाकिस्तान के संघर्ष के दौरान एकाएक सक्रिय हुई और उसने कुछ ही घंटों में 39 हमले कर डाले। संगठन ने यह जानकारी विज्ञप्ति जारी करके दी है। बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने कहा कि संगठन की कार्रवाई जारी है। बताया कि संगठन के लड़ाकों ने सेना के काफिले, पुलिस स्टेशनों, कई राजमार्गों और सरकारी ठिकानों पर हमले करके उन्हें नुकसान पहुंचाया है। संगठन ने कई पुलिस थानों पर कब्जा भी कर लिया है और प्रांत में कई रास्ते बंद कर दिए हैं। संगठन की कार्रवाई और कब्जे में लिए गए ठिकानों के बारे में विस्तृत जानकारी जल्द दी जाएगी। बीएलए का कहना है कि क्षेत्र में प्राकृतिक संपदा का अकूत भंडार है। इस भंडार को पाकिस्तान सरकार अपने हितों के लिए इस्तेमाल कर रही है लेकिन प्रांत के लोगों को कुछ भी हासिल नहीं हो रहा है। जब हित की बात की जाती है तो पाकिस्तानी सेना बलूचों का उत्पीड़न करती है और उन्हें गायब कर देती है। यह सिलसिला दशकों से जारी है। लापता हुए लोगों की संख्या हजारों में है। आशंका है कि उनमें से ज्यादातर को मार डाला गया।

किसी भी आतंकी हमले को युद्ध माना जाएगाः मोदी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान की ओर से लगातार मिसाइलें और ड्रोन दागी जा रही है। भारतीय सेना लगातार दुश्मन देश को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। बुधवार रात से ही पाकिस्तान लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। इसी बीच भारत सरकार ने निर्णय लिया है कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के विरुद्ध युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसका जवाब उसी प्रकार दिया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में लगातार हाईलेवल मीटिंग चल रही है। शनिवार को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाई लेवल बैठक बुलाई है। 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, ष्टष्ठस् समेत तीनों सेनाओं के अध्यक्ष मौजूद थे। भारत के हमलों से पाकिस्तान पूरी तरह पस्त हो चुका है। भारतीय सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान सेना का मनोबल टूट चुका है। पाकिस्तान ने शनिवार को कहा कि अगर भारत आगे के हमले बंद कर दे तो वह तनाव कम करने पर विचार करेगा। विदेश मंत्री इशाक डार ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात करने के बाद जियो न्यूज से कहा, "अगर भारत आगे के हमले बंद कर दे तो पाकिस्तान तनाव कम करने पर विचार करेगा। हालांकि, अगर भारत आगे कोई हमला करता है, तो हम भी जवाब देंगे।" 22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की जान ले ली थी। इसके बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में मौजूद पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर बमबारी की। इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। आतंकियों के मारे जाने के बाद पाकिस्तान की सेना बौखला उठी। बुधवार शाम दुश्मन देश ने भारत पर ड्रोन से हमले की कोशिश की, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया इसके बाद गुरुवार रात पाकिस्तान की ओर से 400 से ड्रोन हमले किए गए। हालांकि, भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी ड्रोन को धवस्त कर दिया। पाकिस्तान के इस हमले का भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर से बौखला उठा पाकिस्तान

22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की जान ले ली थी। इसके बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में मौजूद पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर बमबारी की। इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। आतंकियों के मारे जाने के बाद पाकिस्तान की सेना बौखला उठी। बुधवार शाम दुश्मन देश ने भारत पर ड्रोन से हमले की कोशिश की, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया इसके बाद गुरुवार रात पाकिस्तान की ओर से 400 से ड्रोन हमले किए गए। हालांकि, भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी ड्रोन को धवस्त कर दिया। पाकिस्तान के इस हमले का भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया है।

राजस्थान के कई जिलों में रेड अलर्ट जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान में संघर्ष विराम लागू होने के कुछ घंटों बाद ही पंजाब के फिरोजपुर, गुरदासपुर, मुक्तसर, होशियारपुर, बरनाला, मोगा, पठानकोट, फाजिल्का, कपूरथला और सहित कई जिलों में फिर ब्लैकआउट किया गया। राजस्थान में पोखरण और बाड़मेर में ड्रोन हमले किए गए, जिसे हवा में ही नष्ट कर दिया गया। इसके बाद सीमावर्ती जिलों में रेड अलर्ट और बाड़मेर में हाई रेड अलर्ट घोषित किया गया। जोधपुर में सभी बाजार बंद कराए गए। संघर्ष विराम के बाद पंजाब के जिलों में शनिवार रात्रि ब्लैकआउट हटाने की घोषणा कर दी गई थी।

वर्तमान परिस्थितियों में सभी दलों का सहयोग आवश्यकः भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

भारत और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश और प्रदेशवासियों की सुरक्षा राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम परिस्थितियों का विश्लेषण कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अहम निर्णय ले रहे हैं। इसमें सरकार को सभी दलों का भी सहयोग मिलना बेहद आवश्यक है। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी दलों से एकजुटता और आपसी सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रदेश हित में सरकार के साथ मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में मानव संसाधन की आवश्यकता को देखते हुए सभी रिक्त पदों को तुरंत भरने की कार्यवाही की जा रही है। शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में परिवहन, शिविर, दवाईयां, उपकरण, प्रभावितों के लिए भोजन सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, गंगानगर, जोधपुर, हनुमानगढ़ एवं फलौदी जिलों के लिए रिवॉल्विंग फंड उपलब्ध करवाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरत के मुताबिक आरएसी, आपदा राहत बलों, सिविल डिफेंस की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने के लिए लगाई गई है। सीमावर्ती जिलों के प्रभारी मंत्री और प्रभारी सचिव अपने क्षेत्रों में सतत सम्पर्क एवं प्रशासन के साथ निरन्तर समन्वय बनाए हुए हैं। पुलिस एवं प्रशासन की टीमें कोई भी सूचना मिलने पर पहुंचकर मुस्तैदी से आवश्यक कार्रवाई कर रही हैं। शर्मा ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में प्रशासन सुरक्षा एजेन्सियों से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप ब्लैकआउट एवं आवागमन प्रतिबंधों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करवा रहा है, जिसमें नागरिकों का भी अपेक्षित सहयोग मिल रहा है। शादियों व अन्य समारोहों में तेज रोशनी, चकाचौंध एवं आतिशबाजी नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। निजी ड्रोन को उड़ाने पर भी पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। जिला प्रशासन को पर्याप्त मात्रा में सायरन की सुदृढ़ व्यवस्था करने और विभिन्न प्रकार के सायरन संकेतों के बारे में जनसाधारण को टीवी चैनल, रेडियो, सोशल मीडिया इत्यादि के माध्यम से जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक स्थल, बाजार, पर्यटन स्थल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन जैसी जगहों पर विशेष चौकसी बरती जा रही है।

तिजारा फाटक पुलिया पर दर्दनाक हादसा, बाइक से गिरने पर महिला की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 22 वर्षीय महिला पूजा की जान चली गई। हादसा तिजारा फाटक पुलिया पर उस समय हुआ जब वह शादी समारोह से लौट रही थी और चलती बाइक से गिर गई। जानकारी के अनुसार, पूजा का पीहर पलखड़ी गांव में है जबकि ससुराल किशनगढ़बास क्षेत्र के कोल गांव में स्थित है। साल 2007 में पूजा का विवाह कोल गांव निवासी दिनेश से हुआ था, लेकिन तीन साल पहले पति की मौत हो चुकी थी। पति के निधन के बाद पूजा पटौदी की एक निजी कंपनी में नौकरी कर रही थी और अपने दो बच्चों की जिम्मेदारी अकेले उठा रही थी। शनिवार को पूजा अपने दोस्त भरत के साथ राजगढ़ के धमरेड़ गांव में एक दोस्त की शादी में शामिल होने गई थी। समारोह के बाद दोनों बाइक से लौट रहे थे। तिजारा फाटक पुलिया पर बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और पूजा पीछे से उछलकर सड़क पर जा गिरी। स्थानीय लोगों की मदद से पूजा को गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर शिवाजी पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस का कहना है कि पूजा का पोस्टमॉर्टम परिजनों के पहुंचने के बाद कराया जाएगा। मामले की जांच की जा रही है और हर पहलू से घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि हादसे में बाइक चालक भरत को मामूली चोटें आई हैं। प्रारंभिक जांच में मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है, लेकिन परिजनों की ओर से रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल महिला की असमय मौत से दोनों गांवों में शोक की लहर है।

भगवान परशुराम की शोभायात्रा 11 मई को, नगरभर में निकलेगी भव्य झांकी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान श्री परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 11 मई, रविवार को एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह शोभायात्रा मालाखेड़ा रोड स्थित बावड़ी से सायं 5 बजे प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों, मेंन बाजार, वसुंधरा ग्राउंड तथा जालूकी रोड होते हुए परशुराम धर्मशाला तक पहुंचेगी। शोभायात्रा में भगवान परशुराम की झांकियों के साथ-साथ पारंपरिक वाद्ययंत्रों और समाज की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिलेगी। समाज के अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रशेखर दीक्षित और मंत्री कमल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शोभायात्रा में लक्ष्मणगढ़ कस्बे के साथ-साथ आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी ब्राह्मण समाज के लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से समाज के पदाधिकारी भी इस आयोजन में उपस्थित रहेंगे, जिससे आयोजन को व्यापक स्वरूप मिलेगा। शोभायात्रा के समापन के पश्चात परशुराम धर्मशाला में एक सभा आयोजित की जाएगी, जिसमें समाज की समस्याओं, भविष्य की योजनाओं एवं समाजहित में किए जाने वाले कार्यों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ जनों और युवाओं को एक मंच पर लाकर अनुभव और ऊर्जा का समन्वय किया जाएगा। सभा के उपरांत सभी समाजबंधुओं के लिए सामूहिक भोजन का आयोजन भी किया गया है, जिससे आपसी मेल-जोल और भाईचारे की भावना को बल मिलेगा। आयोजन समिति द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं, और शोभायात्रा को लेकर नगर में विशेष उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। नगरवासियों से भी अपील की गई है कि वे इस आयोजन में भाग लेकर परशुराम जयंती को भव्य रूप दें।

भिवाड़ी में साइबर ठग गिरफ्तार: फर्जी RBI सर्टिफिकेट के जरिए फेसबुक-वॉट्सऐप पर करता था ठगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

जेरोली पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में एक 20 वर्षीय आरोपी फिरोज को गिरफ्तार किया है। फुल्लावास का रहने वाला फिरोज फेसबुक और वॉट्सऐप पर फर्जी विज्ञापन डालकर लोगों को ठगता था। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जेरोली थानाधिकारी विक्रम सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बेरला स्टैंड से अलापुर मोड़ के रास्ते पर नाकाबंदी की। रात 7.50 बजे पहाड़ की तलहटी में तीन संदिग्ध दिखे, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। पीछा करने पर पुलिस ने फिरोज को धर दबोचा। उसके पास से एक मोबाइल फोन, दो सिम, और फर्जी वॉट्सऐप अकाउंट जब्त किए गए। मोबाइल में फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, भारतीय रिजर्व बैंक का फर्जी प्रमाण पत्र, और पुराने सिक्कों-नोटों के विज्ञापन मिले। फिरोज ने जुर्म कबूल कर लिया। उसके मोबाइल में राहुल कुमार जिंदल, पंकज कुमार भदौरिया, और दीपक कुमार के नाम से फर्जी फेसबुक पेज पाए गए। पुलिस ने मोबाइल और सिम को सबूत के तौर पर जब्त कर सील कर दिया। सब-इंस्पेक्टर ईश्वर सिंह मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने लोगों से साइबर ठगी से सावधान रहने की अपील की है।

बरखेड़ा पंचायत सीमा से अवैध शराब कंटेनर हटाने की मांग तेज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मालाखेड़ा

बरखेड़ा पंचायत की सीमा में रखे गए अवैध शराब कंटेनर को हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। इस संबंध में रविवार को पंचायत सरपंच कृष्णा चौधरी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने तहसीलदार मेघा मीणा को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि पंचायत क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द एवं शांति बनी रहे, इसके लिए अवैध शराब कंटेनर को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। ज्ञापन में बताया गया कि बरखेड़ा पंचायत क्षेत्र में अब तक कभी भी शराब की बिक्री नहीं होने दी गई है और न ही किसी दुकान को अनुमति दी गई है। इस बार ग्राम पंचायत पाला के नाम से स्वीकृत शराब दुकान के दो स्थानों पर ठेकेदार बिक्री कर रहा है, इसके बावजूद बरखेड़ा पंचायत सीमा में एक अवैध शराब कंटेनर रख दिया गया है, जिससे ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने बताया कि इस बारे में पूर्व में भी जिला कलेक्टर, जिला आबकारी अधिकारी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर और एसडीएम मालाखेड़ा को लिखित में शिकायत दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सरपंच कृष्णा चौधरी ने कहा कि पूरा गांव एकजुट है और पंचायत सीमा में किसी भी सूरत में शराब बिक्री नहीं होने दी जाएगी। तहसीलदार मेघा मीणा ने कहा कि ग्रामीणों की मांग जायज है और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवैध कंटेनर को हटवाया जाएगा। प्रशासन इस विषय में गंभीरता से विचार कर रहा है ताकि क्षेत्र में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन की राह अपनाने को मजबूर होंगे।

भारत-पाक तनाव का असर: पर्यटकों ने निरस्त की बुकिंग, पर्यटन उद्योग को लगा झटका

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

भारत-पाक के बीच बढ़ते तनाव का असर अब सीमावर्ती जिलों के पर्यटन पर भी नजर आने लगा है। अलवर जिले में बीते दो दिनों में 50 प्रतिशत तक होटल बुकिंग निरस्त हो चुकी हैं। जो पर्यटक पहले से अलवर में ठहरे हुए थे, वे भी बिगड़ते हालातों को देखते हुए होटल छोड़कर लौट चुके हैं। इससे होटल कारोबार के साथ-साथ टूर एंड ट्रेवल एजेंसी, गाइड, सफारी ड्राइवर और लोकल कारोबारियों पर भी सीधा असर पड़ा है। अलवर में सिलीसेढ़ झील, बाला किला, अलवर म्यूजियम जैसे दर्शनीय स्थलों पर हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं, खासकर मई-जून के पर्यटन सीजन में यहां चहल-पहल बनी रहती है। लेकिन इस बार हालात उलटे नजर आ रहे हैं। होटल संचालकों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर और चंडीगढ़ से आने वाले पर्यटकों ने आज सुबह ही फोन कर बुकिंग रद्द कर दी। पर्यटक स्थलों पर दिन के समय भी सन्नाटा पसरा हुआ है और वॉक-इन पर्यटकों की संख्या भी बेहद कम हो गई है। सिलीसेढ़ आरटीडीसी होटल के मैनेजर उत्तम शर्मा ने बताया कि उनकी 50 फीसदी से अधिक बुकिंग कैंसिल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर इस सीजन में होटल फुल रहते हैं, लेकिन इस बार कमरे खाली पड़े हैं। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ सरिस्का के अध्यक्ष मनीष भाटिया ने बताया कि पर्यटकों के नहीं आने से भले घाटा हो रहा है, लेकिन कश्मीर जैसे हालात नहीं होने चाहिए। ऑपरेशन 'सिंदूर' जैसी कार्रवाई से होटल संचालकों और आम नागरिकों में संतोष भी है। तनाव का असर केवल पर्यटन तक सीमित नहीं है, अब इसका प्रभाव सामाजिक आयोजनों पर भी दिखने लगा है। पीपल पूर्णिमा पर होने वाले बड़े वैवाहिक आयोजनों पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अलवर में शादी समारोहों में भाग लेने के लिए दूसरे राज्यों से आने वाले मेहमानों की संख्या इस बार कम रहने की आशंका जताई जा रही है। कई परिवारों ने अपने रिश्तेदारों को पहले ही सलाह दी है कि वे वर्तमान स्थिति को देखते हुए यात्रा न करें। पर्यटन से जुड़े व्यवसायी मानते हैं कि यदि हालात जल्द नहीं सुधरे तो आने वाले दिनों में उन्हें और भी ज्यादा आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। कई छोटे होटल, गेस्ट हाउस और स्थानीय ट्रैवल व्यवसायी तो रोजमर्रा की कमाई पर निर्भर हैं और बुकिंग रद्द होने से उनकी आजीविका पर भी असर पड़ा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए होटल संचालक और पर्यटन से जुड़े लोग सरकार से मांग कर रहे हैं कि पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और स्थिरता कायम रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, जिससे पर्यटन फिर से पटरी पर लौट सके।

लघु उद्योग भारती की तीन इकाइयों की कार्यकारिणी का पुनर्गठन सम्पन्न

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

लघु उद्योगों की प्रगति और सशक्तिकरण के लिए कार्यरत संस्था लघु उद्योग भारती की अलवर, अलवर महिला और राजगढ़ इकाई की 2025-2027 कार्यकारिणी समिति का पुनर्गठन हाल ही में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्यगण शामिल हुए। कार्यक्रम में सुधीर गर्ग, सुनीता शर्मा, संदीप गुप्ता, राजेश गुप्ता सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे, जिन्होंने नवगठित समितियों को शुभकामनाएं दीं और भविष्य की दिशा पर विचार साझा किए। पुनर्गठित कार्यकारिणी में अलवर मुख्य इकाई के अध्यक्ष शशांक झालानी, महासचिव पंकज तिवारी और कोषाध्यक्ष विनोद अग्रवाल नियुक्त किए गए हैं। वहीं, अलवर महिला इकाई की जिम्मेदारी शिवानी यादव को अध्यक्ष के रूप में सौंपी गई है, उनके साथ रूपाली गुप्ता महासचिव और रुचि सोढ़ी कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत हुई हैं। राजगढ़ इकाई की नई टीम में अध्यक्ष पद पर राजीव जैन, महासचिव के रूप में गोपेश् शर्मा और कोषाध्यक्ष पद पर राजेंद्र सैनी का चयन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी के सदस्यों ने पदभार संभालते हुए यह संकल्प लिया कि संस्था अब और अधिक सक्रियता से लघु उद्योगों के हित में कार्य करेगी। उन्होंने प्रशिक्षण, बाज़ार सुविधा, नीति संवाद और उद्योग सहयोग जैसे क्षेत्रों में नई योजनाओं के साथ कार्य आगे बढ़ाने की बात कही। पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि संगठन का उद्देश्य छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्षों ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यह विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से संगठन नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। उन्होंने आगामी समय में प्रशिक्षण शिविर, उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम और सरकारी योजनाओं की जानकारी हेतु विशेष प्रयास करने की योजना भी साझा की। इस अवसर पर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी गईं और यह आशा जताई गई कि लघु उद्योग भारती का यह नया नेतृत्व क्षेत्र के उद्यमियों के लिए नई ऊर्जा और दिशा लेकर आएगा।

सेना के साहस के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया सुंदरकांड का पाठ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच शनिवार को कस्बे के ऐतिहासिक चौगान मंदिर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। यह धार्मिक आयोजन बाल हनुमान जी महाराज के समक्ष हुआ, और इसका संचालन मंडल अध्यक्ष संदीप सैनी के सानिध्य में किया गया। मंडल अध्यक्ष संदीप सैनी ने कहा कि सुंदरकांड पाठ हनुमान जी की वीरता और भक्ति का प्रतीक है, जो वर्तमान समय में हमारी सेना को कठिन परिस्थितियों में साहस, शक्ति और मनोबल प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की धार्मिक गतिविधियाँ देशवासियों की एकजुटता और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को प्रकट करती हैं। कार्यक्रम के दौरान सभी ने देश की सुरक्षा, शांति और समृद्धि के लिए हनुमान जी से विशेष प्रार्थना की। मंदिर परिसर में जय श्रीराम और हनुमान चालीसा के पाठ से वातावरण भक्तिमय हो गया। आयोजकों ने भविष्य में इस प्रकार के धार्मिक आयोजन करते रहने की बात कही। कार्यक्रम में मंदिर महंत तुलसीदास महाराज, वैद्य भवानीशंकर शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, धुडाराम यादव, नत्थुराम प्रजापत, राकेश यादव, मनीष शर्मा, मोनू शर्मा, राजेश सैनी, चौथमल जांगिड, घनश्याम जांगिड, शंकर जांगिड, प्रेम चन्द छीपा, देवेश आत्रे, मातादीन यादव, कमलेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई महाराणा प्रताप की जयंती

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

मांढण क्षेत्र के डाबडवास गांव में बाबा रामसर जी युवा क्लब की ओर से वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर युवाओं को महाराणा प्रताप के शौर्य, त्याग, पराक्रम और संघर्ष की प्रेरणादायी गाथाएं सुनाई गईं। समारोह की शुरुआत पूजन और आरती से की गई, जिसके बाद सभी को प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में युवाओं का उत्साह देखते ही बनता था। वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप ने मातृभूमि की रक्षा के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी हर पीढ़ी को प्रेरणा देता है। उनका जीवन बलिदान, स्वाभिमान और आत्मगौरव का प्रतीक है, जिसे आने वाली पीढ़ियों को भी जानना और समझना चाहिए। इस अवसर पर एडवोकेट धर्मवीर सिंह चौहान, कैप्टन हरि सिंह चौहान, भगीरथ सिंह, रघुवीर सिंह, विकास शेखावत, सुरेंद्र चौहान, भीम चौहान, अक्षय सिंह, सोमवीर सिंह, राकेश सिंह, सूरज चौहान, प्रदीप चौहान, नवीन सिंह, दीपक सिंह, मंदीप, अमित, अंकित, घनश्याम, हिमांशु, विजय, राहुल, विक्की, नितिन सहित सैकड़ों युवा उपस्थित रहे। सभी ने महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

बीसीएमओ ने किया औचक निरीक्षण, पीएचसी अजबगढ़ में 5 कर्मचारी गैरहाजिर, दो उपस्वास्थ्य केंद्र बंद मिले

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बनवारी यादव ने शनिवार को थानागाजी ब्लॉक के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सीलीबावड़ी, अजबगढ़, किशोरी तथा उपस्वास्थ्य केंद्र गुगली का गुवाड़ा और रामजी का गुवाड़ा का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पीएचसी अजबगढ़ में पाँच कर्मचारी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए, वहीं उपस्वास्थ्य केंद्र गुगली का गुवाड़ा और रामजी का गुवाड़ा पूर्ण रूप से बंद मिले। इस पर बीसीएमओ ने संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं और अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। डॉ. यादव ने निरीक्षण के दौरान अस्पतालों में गर्मी और मौसमी बीमारियों को लेकर की गई तैयारियों की स्थिति जानी। उन्होंने अस्पताल प्रभारियों को निर्देश दिए कि हिटवेव और बरसात के मौसम में फैलने वाली बीमारियों से निपटने के लिए सभी जरूरी दवाइयों और उपकरणों का पूरा स्टॉक रखा जाए। प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर, लेबर रूम, भर्ती वार्ड, आईपीडी रूम और लैब का भी निरीक्षण किया गया। बीसीएमओ ने इन क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था की स्थिति पर असंतोष जताया और सुधार के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे प्रभावी मॉनिटरिंग करें और कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। मरीजों को बेहतर सेवाएं देने के लिए जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाए। बीसीएमओ ने यह भी कहा कि विभागीय लापरवाही को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जो भी कर्मचारी अपने कर्तव्य से चूक करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मकान पर कब्जे को लेकर खूनी संघर्ष, चार घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

कोतवाली थाना क्षेत्र के मालाखेड़ा बाजार में शनिवार को मकान पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, विवादित मकान रमाकांत सोनी का बताया जा रहा है। शनिवार को मेवात नगर निवासी देवेंद्र राघव, जगदीश सिंह सहित 15 से 20 लोग लाठी, डंडे और सरिया लेकर रमाकांत के मकान पर जबरन कब्जा करने पहुंचे। कब्जे का विरोध करने पर रमाकांत सोनी, दीपक सोनी, शिल्पा और वृद्ध महिला बन्ना कुमारी के साथ मारपीट की गई। चारों को बुरी तरह पीटा गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सामान्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। पुलिस ने कुछ हमलावरों को मौके से हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि जिस मकान को लेकर विवाद हुआ है, उसे लेकर पहले भी दोनों पक्षों के बीच तनातनी चल रही थी। पुराना विवाद होने के चलते यह संघर्ष उग्र रूप ले बैठा। पुलिस ने मौके पर अतिरिक्त जाप्ता तैनात कर दिया है और इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। वहीं पुलिस ने घायल पक्ष के बयान दर्ज कर जांच को आगे बढ़ा दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटनाक्रम की पूरी तह तक जाकर सच्चाई सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम से मालाखेड़ा बाजार और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोग घटना के बाद से सहमे हुए हैं और बाजार में सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस लगातार निगरानी रख रही है ताकि शांति बनी रहे और स्थिति नियंत्रण में रहे।

शादी में डीजे के पोल से छू गई हाई वोल्टेज लाइन, करंट लगने से युवक की मौत, तीन घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अकबरपुर

कलीखोल गांव में रविवार शाम एक शादी समारोह उस वक्त मातम में बदल गया, जब डीजे की फ्लोर पर फैंसी लाइट के लिए पोल लगाते समय वह ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की बिजली लाइन से छू गया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बालक सहित तीन लोग करंट की चपेट में आकर घायल हो गए। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, गांव के निवासी भारत वर्मा ने बताया कि लड़की की शादी में बारात आने से पहले डीजे लगाया जा रहा था। डीजे फ्लोर जिस स्थान पर बनाया जा रहा था, उसके ठीक ऊपर हाई वोल्टेज विद्युत लाइन गुजर रही थी। उसी दौरान डीजे कर्मी जब पोल लगाकर फैंसी लाइट लगाने का प्रयास कर रहे थे, तभी वह पोल बिजली लाइन से टकरा गया। तेज करंट के कारण डीजे फ्लोर और पोल में विद्युत प्रवाह हो गया, जिससे वहां मौजूद चार लोग इसकी चपेट में आ गए। हादसे में अर्जुन, गिर्राज व बालक जितेश झुलस गए। वहीं, गिर्राज नामक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। घायल अवस्था में सभी को अकबरपुर के अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो गंभीर घायलों को अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलने पर गांव में मातम छा गया। एक तरफ शादी की तैयारियां चल रही थीं, वहीं दूसरी ओर परिजन अस्पताल के चक्कर काटते नजर आए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि डीजे लगाते समय सतर्कता बरती जाती तो यह बड़ा हादसा टल सकता था। राजकीय जिला चिकित्सालय, अलवर के चिकित्सक डॉ. विनोद नागर ने बताया कि गिर्राज का शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस को घटना की जानकारी दे दी गई है और आगे की कार्रवाई जारी है। गांव के लोगों ने बिजली विभाग से मांग की है कि ऐसे स्थलों पर सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नवनियुक्त आईएएस जितेन्द्र कुमार का किया स्वागत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

शनिवार को समाजसेवी अरविंद सूठवाल के निवास पर नवनियुक्त (आईएएस) कलेक्टर जितेंद्र कुमार का स्वागत किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवनियुक्त (आईएएस) कलेक्टर जितेंद्र कुमार का समाजसेवी अरविंद सूठवाल के निवास पर माला और साफा से जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर फॉरेस्टर रामकुमार, व्याख्याता शीशराम, एडवोकेट प्रमोद कुमार, पूर्व जिला पार्षद थानेदार गोरेलाल, सूबेदार दाताराम, हितेंद्र शर्मा, सोनू सूठवाल, रिंकू सूठवाल काफी संख्या में गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

विद्यालय को पुन खुलवाले के लिए ग्रामीणो ने शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

शनिवार को क्षेत्र के गांव तिंगावा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को पुन खुलवाने को लेकर ग्रामीणो द्वारा शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। सौंपे गये ज्ञापन में अवगत कराया की पूर्व में सांसद महोदय को दिये गये प्रस्ताव के क्रम में शनिवार को ग्राम मांधा का माजरा में समस्त ग्रामवासियो की बैठक आयोजित की गई। मई 2017 में तिंगावा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को बंद कर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अहीर बासनी में मर्ज कर कर दिया गया था। शनिवार को पुन तिंगावा के राजकीय विद्यालय को कक्षा 1 से 5वीं तक खुलवाने की मांग की गई। वही ग्रामीणो द्वारा कुल 25 विद्यार्थियो के नामांकन का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अहीर बासनी , तिंगावा सरपंच संदीप सिंह, राकेश कुमार, सतीश, धर्मचंद, अमरसिंह, राजेश कुमार, माया देवी, निहाल सिंह, रामपाल, अरविंद कुमार, वार्ड पंच गिरवर सिंह, महेश, दयाराम सहित काफी संख्या में ग्रामीणर मौजूद रहे।

खेलों इंडिया में तैराकी में केशवानन्द के कुणाल फौजदार ने तृतीय स्थान हासिल किया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

एनएच 52 स्थित स्वामी केशवानन्द शिक्षण संस्थान समूह भढाडर सीकर के कक्षा 12 के विद्यार्थी कुणाल फौजदार ने खेलो इंडिया में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर तृतीय स्थान हासिल किया। जानकारी देते हुए खेल प्रभारी राहुल ढाका ने बताया कि बिहार के गया जिले में चल रही खेलो इंडिया तैराकी प्रतियोगिता में संस्थान के 2 खिलाडियों का चयन हुआ जिसमें कुणाल फौजदार ने शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए 100मी. फ्री स्टाईल में तृतीय स्थान हासिल किया जो संस्थान के लिए बहुत ही गौरव की बात है। इस खेलो इंडिया तैराकी प्रतियोगिता हेतु राजस्थान से केवल 4 तैराक चयनित हुये थे जिसमें 2 अकेले केशवानन्द से है। संस्थान एकेडमिक के साथ खेलों में भी बच्चों का भविष्य संवार रहा है। इस अवसर पर संस्थान निदेशक रामनिवास ढाका, सहनिदेशक गोपाल सिंह, चैयरमैन सुरेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य शांति प्रसाद नेगी, प्रधानाचार्य विजेन्द्र सिंह सहित प्रबंधन सदस्यों ने छात्र को बधाई प्रेषित की।

आईसीए टपूकड़ा भिवाडी का पहला उद्घाटन दिवस मनाया गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

शनिवार को आईसीए टपूकड़ा में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें संस्थान के पहले उद्घाटन दिवस का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने संस्थान के विकास और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। संस्थान डायरेक्टर सीए भुनेश अग्रवाल ने बताया कि संस्थान 100% नौकरी की गारंटी देता है और इस एक वर्ष में, पाठ्यक्रम के दौरान हमने अपने पहले और दूसरे बैच के छात्रों के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों में इंटर्नशिप और नौकरी की व्यवस्था भी की है। संस्थान के निदेशक ने अपने संस्थान के उद्देश्यों के बारे में बताया और साथ ही बताया कि आईसीए टपूकड़ा भिवाड़ी प्रैक्टिकल शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि संस्था का मुख्या उद्देश्य छात्रो को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दे उन्हें इंडस्ट्री में काम करने योग्य बनाना है,आईसीए टपूकड़ा का उद्देश्य शिक्षा और कौशल के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। संस्थान आने वाले समय में विभिन्न नए पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है और छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

पूर्व सैनिक लीग जिला कार्यकारिणी के द्वारा समाज हित में लिए गए अनेक निर्णय

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

खैरथल तिजारा जिला मुख्यालय के नगर परिषद सभागार में कैप्टन हजारी लाल गुर्जर की अध्यक्षता और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रिगेडियर करतार सिंह यादव के मुख्य आतिथ्य में पूर्व सैनिक लीग की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विशिष्ट अतिथि कर्नल मोहर सिंह यादव, सीनियर प्रेसिडेंट ऑफ राजस्थान और अति विशिष्ट अतिथि अलवर जिला अध्यक्ष रोहिताश चौधरी रहे। बैठक में मुंडावर निवासी कैप्टन हजारीलाल गुर्जर को खैरथल-तिजारा के पूर्व सैनिक लीग के अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि भारत और पाकिस्तान के मध्य जो युद्ध जैसा वातावरण बन रहा है, इस स्थिति में यदि राज्य के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के द्वारा इस संदर्भ में हमें कोई कार्य दिया जाएगा, तो हम उस कार्य को अपनी जान की बाजी लगाकर भी संपादित करेंगे। बैठक में भुतपूर्व सैनिकों की पेंशन संबंधी समस्याओं, जिला मुख्यालय पर शहीद स्मारक, जिला सैनिक बोर्ड कार्यालय, ईसीएचएस, सीएसडी, कैंटीन, सैनिक विश्रामग्रह खुलवाने सहित विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। इस अवसर पर हरसौली तहसील अध्यक्ष मोहन सिंह, खैरथल तहसील अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद, कोटकासिम तहसील अध्यक्ष, कैप्टन सूबेसिंह, टपूकड़ा तहसील अध्यक्ष कैप्टन कूड़ेराम दायमा, नीमराणा तहसील अध्यक्ष शिवराम सिंह, तोताराम, किरोड़ीमल शर्मा, हनुमान सिंह, हवलदार पार्षद उदय सिंह, हवलदार करण सिंह व्याख्याता, कैप्टन जगदीश प्रसाद एवं हवलदार मदन सिंह सैनी सहित अनेक सेवानिवृत्ति सैनिक उपस्थित रहे।

स्टार पब्लिक स्कूल खैरथल में मदर्स डे कार्यक्रम आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

शनिवार को स्टार पब्लिक स्कूल खैरथल में मदर्स डे कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बच्चो ने अपनी मात्ताओ के मस्तक पर तिलक लगाकर स्वागत किया। स्कूल प्रधानाचार्या अनुराधा चौहान ने विद्यालय परिसर में पधारी सभी मातृ शक्तियो का हार्दिक अभिन्नदन किया साथ ही नर्सरी से दूसरी तक के नन्हे मुन्हे बच्चो ने अपनी माताओ को ग्रिटीग कार्ड देकर भावात्त्मक स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारभ माँ सरस्वती के समक्ष विद्यालय चेयरमैन डॉ दिनेश यादव व समस्त अध्यापको ने दीप प्रज्ज्वलन कर मॉ सरस्वती वदना की प्रस्तुति के साथ किया। इस अवसर पर कक्षा तीसरी से बाहरवी के छात्र-छात्राओ ने अपनी माताओ के सम्मान मे सुदर गीत, नृत्य व भाषण आदि प्रस्तुत किये । कार्यक्रम के दौरान सभी माताओ ने सिंदूर आपरेशन के सफल होने की मंगल कामना करते हुए भारत सरकार द्वारा उठाये गये कदम की भरपूर प्रसंसा की तथा राष्ट्र के प्रति अपना समर्पण भाव को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान माताओ के लिए म्यूजिकल चेयर गेम, डांस, आदि प्रतियोगिताए करायी गयी जिसका सभी ने भरपूर आंनद उठाया। प्रतियोगिताओ मे विजयी रही माताओं को प्रधानाचार्या ने उपहार प्रदान कर आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय के समस्त स्टॉफ का योगदान रहा।

पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले के बाद भारत ने प्रशासनिक कदम और सैन्य ऑपरेशन से आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान और पीओके स्थित नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया। इस ऑपरेशन को लेकर भारत ने स्पष्ट कहा कि उसका एक्शन आतंकवाद के खिलाफ है, पाकिस्तान के खिलाफ नहीं है। लेकिन भारत के सैन्य ऑपरेशन से बौखलाए पाकिस्तान की फौज ने एलओसी पर नागरिकों को निशाना बनाकर गोलीबारी की और भारत के सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। न केवल भारत ने पाक के सभी हमले को नाकाम किया, बल्कि जबावी कार्रवाई में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर लाहौर, सियालकोट, रावलपिंडी, कराची, बहावलपुर, इस्लामावाद में सैन्य अड्डों पर भारी तबाही मचाई। भारत ने संयम बरतते हुए पाकिस्तानी आवाम को निशाना नहीं बनाया। अभी दोनों मुल्कों के बीच युद्ध जैसे हालात हैं, तनाव चरम पर है। इस भी भारत ने निर्णय लिया है कि आगे से पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद की कोई भी कार्रवाई युद्ध माना जाएगा और दो दिन के लिए सीमा पर दोनों देश सीजफायर पर सहमत हुए हैं। इसमें अमेरिका की भूमिका मानी जा रही है। केंद्र व सेना की हर कार्रवाई बदले भारत के मिज़ाज को बयां करती है। आजकल के ताजा अंक में पेश है विश्लेषण...

नए भारत का 'बदला' मिज़ाज

रणनीति
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तान ने प्राक्सी वार की अपनी रणनीति के तहत नृशंस हत्याकांड को अंजाम दिया। इस बर्बर हत्याकांड के समुचित प्रति उत्तर में भारत ने अपनी सैन्य शक्ति का बाकायदा इस्तेमाल करके पाकिस्तान के मुख्तलिफ इलाकों में विद्यमान जिहादी आतंकवादियों के नौ ठिकानों को पूर्णतया नेस्तनाबूद किया। भारत की बुनियादी तौर पर परिवर्तित सैन्य रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह रहा है कि पाकिस्तान को यह पुख्ता पैगाम दे दिया गया है कि प्रॉक्सी वार की रणनीति के तहत यदि कोई भी जिहादी आतंकवादी आक्रमण अंजाम दिया जाएगा तो भारत उसका समुचित जवाब अपनी शक्तिशाली सैन्य रणनीति से तत्काल देगा।

कश्मीर में विगत 36 वर्षों से निरंतर जारी पाकिस्तान द्वारा संचालित प्रॉक्सी वार का सशस्त्र प्रतिरोध करने की भारतीय सैन्य रणनीति अब बाकायदा परिवर्तित कर दी गई है। पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा परिपोषित जिहादी आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिए गए नृशंस हत्याकांड के तत्पश्चात भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध एकदम नई और अनोखी सैन्य रणनीति अख्तियार की गई है। पुराने दौर में जिहादी आक्रमणों के पश्चात भारत सरकार कूटनीतिक स्तर पर पाकिस्तान के विरुद्ध कार्रवाई करने की कोशिश करती रहती थी। वर्ष 1993 में मुंबई नगरी को पाक प्रायोजित आतंकवादी बम विस्फोटों द्वारा दहलाया गया था। इस वारदात में तकरीबन 260 बेगुनाह नागरिक मारे गए थे। 13 दिसंबर सन् 2001 में जब भारतीय संसद भवन पर आतंकवादी हमला हुआ था और उसके बाद 26 नवंबर 2008 में मुंबई नगरी पर जिहादी आक्रमण अंजाम दिया गया था। इस वारदात में तकरीबन 160 नागरिक हलाक हो गए थे और सैकड़ों लोग बुरी तरह से जख्मी हुए थे। हुकूमत ए हिंदुस्तान ने इन समस्त नृशंस जिहादी आक्रमणों के प्रतिरोध में कदाचित कोई भी ठोस सैन्य कार्रवाई अंजाम नहीं दी थी। वर्ष 2016 में जम्मू कश्मीर के उरी क्षेत्र में पाकिस्तान आईएसआई द्वारा प्रशिक्षित जिहादी आतंकवादियों द्वारा अंजाम दी गई 19 भारतीय सैनिकों की शहादत के तत्पश्चात भारत सेना की एक कमांडो टुकड़ी ने कथित नियंत्रण रेखा को रौंद कर मेजर माइक टैंगों के नेतृत्व में जिहादी दहशतगर्दों के दो प्रशिक्षण शिविर पर सर्जिकल स्ट्राइक अंजाम दी। इस सर्जिकल स्ट्राइक में 40 जिहादी दहशतगर्दों को हलाक कर दिया गया था। वर्ष 2019 में पुलवामा में एक जिहादी द्वारा भयानक आत्मघाती विस्फोट अंजाम दिया गया।

आतंकवादियों के नौ ठिकाने नेस्तनाबूद

इस आत्मघाती विस्फोट के परिणाम स्वरूप भारतीय अर्ध सैनिक बलों के 40 जवान मौत के घाट उतार दिए गए। पुलवामा के आतंकवादी आक्रमण का सैन्य प्रतिशोध लेने के लिए भारतीय सेना फाइटर जेट्स ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की काग़ान घाटी में बालाकोट स्थित जिहादी कैंप को सटीक एयर स्ट्राइक्स द्वारा पूर्णत ध्वस्त कर दिया गया था। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुकूमत ए पाकिस्तान ने प्राक्सी वार की अपनी रणनीति के तहत नृशंस हत्याकांड को अंजाम दिया। इस बर्बर हत्याकांड के समुचित प्रति उत्तर में भारत ने अपनी सैन्य शक्ति का बाकायदा इस्तेमाल करके पाकिस्तान के मुख्तलिफ इलाकों में विद्यमान जिहादी आतंकवादियों के नौ ठिकानों को पूर्णतया नेस्तनाबूद किया। भारत की बुनियादी तौर पर परिवर्तित सैन्य रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह रहा है कि पाकिस्तान को यह पुख्ता पैगाम दे दिया गया है कि प्रॉक्सी वार की रणनीति के तहत यदि कोई भी जिहादी आतंकवादी आक्रमण अंजाम दिया जाएगा तो भारत उसका समुचित जवाब अपनी शक्तिशाली सैन्य रणनीति से तत्काल देगा। पाकिस्तान और भारत के मध्य निरंतर जारी वर्तमान सैन्य संघर्ष पर विश्व के अनेक देशों ने गहन चिंता का इज़हार तो किया है, लेकिन पाक फौज द्वारा प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध भारत की सैन्य कार्रवाइयों का ज्यादातर देशों ने कदाचित विरोध नहीं किया है। भारत सरकार द्वारा ठोस सबूत पेश करके सारी दुनिया को तल्ख तथ्यों से अवगत कराया गया है कि विगत 36 वर्षों से पाकिस्तान प्राक्सी वार द्वारा भारतीय कश्मीर को हथियाने के लिए निरंतर कितनी नृशंस आतंकवादी वारदातें अंजाम देता रहा है।

कश्मीर विवाद पर तीसरे देश की मध्यस्थता

भारत और पाकिस्तान दोनों ऐसे पड़ोसी मुल्क हैं, जिनके मध्य सैन्य संघर्षों की तल्खी वर्ष 1947 से बनी रही है। दोनों देशों के मध्य चार भीषण युद्ध लड़े जा चुके हैं। सैन्य तनाव के विकट हालात में अन्य देशों की सक्रियता बाकायदा बनी रही है। पाकिस्तान तो सन् 1947 से सदैव यह चाहता रहा कि कश्मीर विवाद पर कोई तीसरा देश मध्यस्थता करें। पाकिस्तान की फौज़ ने 22 अक्टूबर सन् 1947 में जब जम्मू कश्मीर रियासत पर कबायली नकाब धारण करके आक्रमण अंजाम दिया था तो पाकिस्तानी फौज के विरुद्ध अपनी विजय पताका लहराती हुई भारतीय सेना को युद्ध विराम का यकायक आदेश देकर दुर्भाग्य से तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा संयुक्त राष्ट्र को कश्मीर विवाद पर मध्यस्थता के तौर पर लाया गया। जनरल अयूब खान के ऑपरेशन जिब्राल्टर के तहत अंजाम दिए गए सन् 1965 के भारत पाक युद्ध के दौर में भारत द्वारा सोवियत यूनियन को मध्यस्थ बनाया गया। वर्ष 1971 में बांग्लादेश युद्ध के दौरान इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत सरकार ने स्पष्ट रणनीति अख्तियार की कि किसी भी देश को मध्यस्थ नहीं बनाया जाएगा। आज के दौर में भी भारत की स्पष्ट सैन्य रणनीति है कि हम इंटरनेशनल ओपिनियन की जरा सी भी परवाह किए बिना पाकिस्तान को उसके द्वारा संचालित प्रॉक्सी वार का वाजिब प्रति उत्तर देंगे।

पाक के प्रॉक्सी वॉर का समुचित जवाब

प्रॉक्सी वॉर के तहत पाकिस्तान निरंतर भारत पर आक्रमण अंजाम देता रहा है। भारत का भी सैन्य अधिकार है कि वह प्रति उत्तर में पाकिस्तान के विरुद्ध कठोर सैन्य कार्रवाई अंजाम दे। इस दफा भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर में ही नहीं, वरन् पाकिस्तान के अन्य महत्वपूर्ण फौजी ठिकानों पर भी जबरदस्त मिलिट्री स्ट्राइक्स अंजाम दी हैं। भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट तौर पर सैन्य पैगाम दे दिया है कि पाकिस्तान द्वारा संचालित प्रॉक्सी वॉर का समुचित जवाब भारत द्वारा सीधे सशक्त सैन्य कार्रवाइयों से दे दिया जाएगा। भारत द्वारा किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान के विरुद्ध कोई गुहार नहीं लगाई गई है, जो कि पहले के दौर में सामान्य तौर पर लगाई जाती रही। अमेरिका पर जब कोई आक्रमण अंजाम दिया जाता है तो फिर अमेरिकन सरकार किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर जाकर किसी से कोई फरियाद नहीं किया करती। अमेरिकन सेना सीधे सैन्य कार्रवाई अंजाम देती है। सन् 2001 में 9/11 को न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर अंजाम दिए गए बर्बर जिहादी आक्रमण के तत्पश्चात अमेरिका ने अफगानिस्तान की मुल्ला उमर हुकूमत के विरुद्ध सशस्त्र कार्रवाई अंजाम दी थी और काबुल पर अपना आधिपत्य स्थापित किया था। अमेरिका के नक्शे कदम पर चलते हुए इसराइल भी किसी भी वैश्विक मंच पर जाकर कोई राग नहीं अलापा करता कि हमारे मुल्क पर आक्रमण हुआ है, बताओ कि हम अब क्या करें? एक महान देश के रूप में भारत ने भी स्पष्ट सैन्य रणनीति अख्तियार कर ली है कि भारत अब सशस्त्र पैगाम देगा कि भारत के नागरिक हलाक किए गए तो फिर हम सीधे सैन्य कार्रवाई अंजाम देंगे।

यह बात अवश्य है कि सैन्य संघर्ष अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाए जाएंगे तो वहां भी पुख्ता सबूतों के साथ भारत अपना स्पष्ट नजरिया पेश करेगा। भारत के पास स्पष्ट और ठोस सबूत विद्यमान है कि पाकिस्तान फौज द्वारा परिपोषित की जाने वाली जिहादी आतंकवादी तंजीम दि रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम के नृशंस आक्रमण की बाकायदा जिम्मेदारी ले ली है। टीआरएफ का सीधा ताल्लुक पाकिस्तान द्वारा प्रशिक्षित और परवरिश पाने वाली जिहादी आतंकवादी तंजीम लश्कर ए तैयबा के साथ बाकायदा स्थापित है। विश्व पटल पर एक ऐसा दौर था जबकि एक ध्रुवीय महाशक्ति के तौर पर अमेरिका द्वारा पाकिस्तान का अंध समर्थन किया गया। भारत के विरुद्ध पाकिस्तान को अमेरिका द्वारा सेंटो सैन्य संगठन का सदस्य बनाया गया था। कश्मीर में वर्ष 1989 से पाकिस्तान द्वारा संचालित जिहादी जंग को अमेरिका द्वारा जंग ए आजादी निरूपित किया गया। सन् 2001 में न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर आतंकवादी आक्रमण के बाद अमेरिका की आंखें खुल गई और अमेरिका एक हद तक पाकिस्तान का दामन छोड़कर भारत के निकट आने लगा। भारत के साथ सैन्य संघर्ष के वर्तमान दौर में भारत सरकार के सख्त ऐतराज के बावजूद पाकिस्तान को 2.3 बिलियन डॉलर्स का बेलआउट पैकेज इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) द्वारा प्रदान कर दिया गया है, ताकि पाक आर्थिक तौर पर दिवालिया होने से बच सके। सर्वविदित है अमेरिका की रजामंदी के बिना आईएमएफ द्वारा पाक को यह बेल आउट पैकेज कदाचित प्रदान नहीं किया जा सकता था। अमेरिका बनाम चीन की ट्रेड वार के दौर में अमेरिका के कूटनीतिज्ञों को बेहद फिक्र लगी रहती है कि पाकिस्तान पूरी तरह से कहीं चीन के सैन्य गुट में शामिल न हो जाए। पाकिस्तान के हाथों अत्यंत संगीन आतंकवादी जख्म खाए हुए अमेरिका को क्या पाकिस्तान द्वारा निरंतर की जा रही टेरर फंडिंग की जरा सी भी चिंता नहीं है। टेरर फंडिंग पर अंतरराष्ट्रीय निगरानी रखने वाले संगठन फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट से बड़ी मुश्किल से पाकिस्तान वस्तुतः चीन की कूटनीतिक मदद से बाहर निकला है। हालांकि पाकिस्तान का आका मुल्क तुर्कीए ग्रे लिस्ट में बाकायदा शामिल है। भारत को बार-बार परमाणु युद्ध की धमकी देने वाले पाकिस्तानी राजनेता और फौजी जनरल जानते हैं कि भारत के पास 172 परमाणु वारहेड विद्यमान हैं और साथ ही भारतीय सेना हाइड्रोजन बमों से भी लैस है। व्यावहारिक तौर पर विचार करें तो परमाणु हथियारों से सन्नद किसी देश को परमाणु आक्रमणों से बचाते हैं, लेकिन ये ना आतंकवादी हमले रोक सकते हैं और ना ही पारंपरिक आक्रमणों को रोक सकते हैं। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि परमाणु ताकत संपन्न होना सिर्फ सीमित स्तर तक सुरक्षा प्रदान करता है। पारंपरिक युद्ध में चार दफा पाकिस्तान की फौज को भारतीय सेना बुरी तरह शिकस्त दे चुकी है। विगत 36 वर्ष की प्रॉक्सी वार के तहत भी कश्मीर घाटी में पाकिस्तान को अभी तक कोई निर्णायक कामयाबी हासिल नहीं हो सकी है।

सांप्रदायिकता को गहराई से दफन करना जरूरी

इसका सबसे बड़ा कारण है कि पाकिस्तानी फौज का इंटेलिजेंस विंग आईएसआई अपने तमाम प्रयासों के बावजूद जम्मू कश्मीर की सरजमीं पर हिंदुओं और मुसलमानों के मध्य सांप्रदायिक विभाजन करने में विफल साबित हुआ है। भारतीय सेना ने अपनी सशक्त धर्मनिरपेक्ष परंपरा का निर्वाह करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में अंजाम दी गई एयर स्ट्राइक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ सैन्य प्रवक्ता के तौर पर कमान कर्नल सोफिया ताजुद्दीन कुरैशी और एयरफोर्स की पायलट कोमोडोर व्योमिका सिंह को सौंपी गई। भारत को यदि पाक प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक विजय प्राप्त करनी है तो फिर एकजुट होकर भारत में हर किस्म की सांप्रदायिकता को गहराई से दफन करना पड़ेगा। जिहादी आतंकवाद का निर्णायक सफाया करने के लिए भारतीय सेना द्वारा बांग्लादेश युद्ध की तरह पाकिस्तान फौज की कमर तोड़ देनी होगी।

युद्ध में अधिक नुकसान उठाएगा पाक

विश्लेषण
डॉ. एल.एस. यादव
स्वतंत्र पत्रकार

प्रसिद्ध सैन्य विचारक कैप्टेन लिडिल हार्ट ने बहुत पहले कहा था कि 'यदि तुम शांति चाहते हो तो युद्ध को समझो'। इस तथ्य की तरफ भारत ने अब ध्यान दिया है। पाकिस्तान पोषित आतंकवादी भारत में काफी दिनों से अशांति फैलाए हुए थे जबकि भारत बार-बार आगाह कर रहा था लेकिन पाकिस्तान पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा था। इधर काफी प्रयासों के बाद जब जम्मू कश्मीर विकास की राह पर आगे बढ़ने लगा तो ऐसा लगने लगा कि अब वहां पर आतंकवाद समाप्ति की ओर है। यही बात पाक हुक्मरानों व आईएसआई को बर्दाश्त नहीं हुई और कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों में बढ़ोत्तरी करने के प्रयास शुरू कर दिए जिसका परिणाम पहलगाम की आतंकी घटना के रूप में सामने आया। 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। यह आतंकी हमला 2019 में हुए पुलवामा की आतंकवादी घटना के बाद घाटी में हुआ सबसे बड़ा आतंकी हमला था। घटना को अंजाम देने वाले आतंकी चकमा देने के लिए सेना की वर्दी पहने हुए थे। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा बीच में छोड़कर स्वदेश लौटे और उन्होंने एक्स पर लिखा कि 'आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह अधिक मजबूत होगा।'

आतंकवादी ठिकानों पर स्ट्राइक

पहलगाम आतंकवादी हमले के 15 दिन बाद निर्दोष नागरिकों की हत्या का बदला लेने के लिए 6 मई की रात लगभग पौने दो बजे भरतीय सेना तथा वायु सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में चल रहे आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करके उन्हें ध्वस्त कर दिया। इस अभियान में पाकिस्तान के पंजाब के बहावलपुर में अहमदपुर व मुरीदके तथा पीओके के बाघ, मुजफ्फराबाद व कोटली में चलने वाले नौ आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूद कर दिए। रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार ये वही ठिकाने थे जहां से भारत विरोधी आतंकी हमलों की साजिश रची जाती थी और उन्हें संचालित किया जाता था। यह पूरी कार्रवाई नपी-तुली, केंद्रित और गैर उत्तेजक प्रकृति की थी। इसमें पाकिस्तान के किसी सैनिक केन्द्र या नागरिक ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया। पहलगाम की घटना के बाद से पाकिस्तान की तरफ से गोलीबारी की जा रही थी। जब भारत ने आतंकवादी शिविरों को ध्वस्त किया तो पाकिस्तान ने पुंछ के शाहपुर सेक्टर, मेंढर के मनकोट क्षेत्र व कृष्णा घाटी सेक्टर में भारी गोलाबारी प्रारम्भ कर दी। इसके अलावा कुपवाड़ा, बारामूला, उरी व अखनूर सेक्टर में छोटे हथियारों व तोपों का प्रयोग करते हुए गोलाबारी की गई। इसमें सबसे ज्यादा पुंछ सेक्टर प्रभावित हुआ और गोलाबारी में तकरीबन 16 लोगों की मौत हो गई।

एयर डिफेंस सिस्टम ध्वस्त किया

पाकिस्तान यहीं नहीं रुका बल्कि उसने मिसाइलों व ड्रोन से हमले जारी रखे। पाकिस्तान ने मिसाइलों व ड्रोन हमलों के जरिए जम्मू की एयर

स्ट्रिप तथा अन्य जगहों के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना चाहा लेकिन भारत के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 ने उसके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। इस डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान की ओर से दागी गई सभी मिसाइलों व ड्रोनों को आसमान में ही ध्वस्त कर दिया। भारत ने पाकिस्तानी मिसाइलों को जम्मू एयरपोर्ट व साम्बा सेक्टर में मार गिराया। जम्मू यूनिवर्सिटी के पास भी दो ड्रोनों को मार गिराया गया। इसके अलावा भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहे पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमान व जेएफ-17 लड़ाकू विमान को भारतीय वायु सेना ने मार गिराया। पाकिस्तान की इन हरकतों के बाद भारत के ड्रोन कराची, रावलपिण्डी व लाहौर सहित प्रमुख नौ शहरों में घुसे और लाहौर का एयर डिफेंस सिस्टम एचक्यू-9 ध्वस्त कर दिया। लाहौर के एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह करने का काम हार्पी ड्रोन्स ने किया।

हार्पी ड्रोन्स को इजराइल की कंपनी इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित किया गया है। यह उन्नत श्रेणी का लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम है जो हवा में मंडराने वाले शत्रु पर नजर रखता है और संकेत मिलते ही उसे नष्ट कर देता है। यह निगरानी व हमला अर्थात दोनों के प्रयोग में लाया जाता है। यह शत्रु की वायु सुरक्षा प्रणाली को नष्ट करने का अचूक हथियार माना जाता है। यह 9 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है और 1000 किलोमीटर तक की रेंज में हमला कर सकता है। 9 मई को पाकिस्तान ने अपने हमलों को और तेज कर दिया। सेना के अनुसार, भारत के जम्मू, सांभा, पठानकोट व अमृतसर समेत कई बड़े शहरों में पाकिस्तानी ड्रोन दिखाई दिए। पाकिस्तान के साथ लगने वाली अन्तरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के पास उत्तर में बारामूला से लेकर दक्षिण में भुज तक 26 स्थानों के अलावा बारामूला, श्रीनगर, अवंतीपोरा, नगरोटा, जम्मू, फिरोजपुर, पठानकोट, फाजिल्का, लालगढ़ जट्टा, जैसलमेर, बाड़मेर, भुज, कुवारकोट व लखी नाला में पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए। इससे एक दिन पहले पाकिस्तान ने घुसपैठ के लिए तकरीबन 400 ड्रोन भेजे थे जिन्हें नाकाम कर दिया गया था। सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने इनमें से 50 को मार गिराया तथा 20 को जाम कर दिया। पाकिस्तान ने यूएवी की मदद से बटिंडा सैन्य स्टेशन को निशाना बनाने की कोशिश की जिसे नाकाम कर दिया गया। चंडीगढ़, पोखरन व जैसलमेर में तो सीमा से 100-200 किलोमीटर अंदर तक ड्रोन आ गए थे जिन्हें बराक-8 व आकाश मिसाइलों, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम व हार्पी ड्रोन्स के द्वारा नष्ट कर दिया गया।

आधुनिक हथियारों से लैस भारत

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में नागास्त्र, स्कैल्प मिसाइल व हैमर बॉम्ब जैसे अत्याधुनिक हथियारों का प्रयोग करके आतंकवादियों की कमर तोड़ दी थी तो पाकिस्तान को भारत की अन्य मिसाइलों की ताकत पता होनी चाहिए। भारत ब्रह्मोस मिसाइल जल, जमीन व हवा से दागी जा सकती है। पृथ्वी मिसाइल के तीनों वैरियंट 2000 किलोमीटर तक अचूक निशाना लगाने में सक्षम हैं। शौर्य मिसाइल एटमी हमले में सक्षम है। प्रहार मिसाइल अलग-अलग दिशाओं में लक्ष्य भेदने में माहिर है। धनुष व आकाश मिसाइलें आसमान तक तबाही मचा सकती हैं। अमोघ मिसाइल अंधेरे में भी टारगेट करती है। जबकि निर्भय मिसाइल दिशा बदल कर हमला करती है। सागरिका बैलिस्टिक मिसाइल नैविगेशन सिस्टम से लक्ष्य भेद सकती है। अग्नि मिसाइल को भारत के किसी कोने से छोड़े जाने पर पाकिस्तान का हर छोर कवर कर लेगी। इन सबका प्रयोग होने पर पाक का क्या हाल होगा वह खुद समझ सकता है। सामुद्रिक क्षेत्र में भी भारत की ताकत कम नहीं है। भारत के पास विमानवाहक पोत, अन्य युद्धपोत व परमाणु पनडुब्बियां हैं। ये समुद्र में किसी भी चुनौती से निपट सकते हैं।

भारत को आत्मरक्षा करने का अधिकार

विश्लेषण
प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ स्तंभकार

पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले के साथ भारत ने पाकिस्तान पर जिस तरह से चौतरफा शिकंजा कसा है, उससे पाकिस्तान अलग-थलग तो पड़ ही गया है, भारतीय सैन्य हमलों की मार ने दिखा दिया कि पाक की सामरिक रक्षा शक्ति में कोई दम नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर को आगे बढ़ाते हुए भारतीय सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक की शुरुआत में 9 आतंकी ठिकाने तो तबाह किए ही, अगले दिन भारत ने लाहौर में तैनात पाक की वायु सुरक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया और कराची एवं रावलपिंडी में मिसाइलें दागीं। 1971 में पाकिस्तान से हुए युद्ध के बाद यह पहला अवसर था कि रावलपिंडी पर भारत ने सीधा आक्रमण किया। यही नहीं भारत ने पाकिस्तान के उन चुनिंदा नगरों के आतंकी अड्डों पर भी ड्रोन हमले किए, जहां से पाक सेना भारत के नगरों पर हमले करने के लिए तत्पर थी। पाक सेना भारत के 15 स्थलों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की जुगत में थीं, जिसे भारतीय सेना की वायु सुरक्षा प्रणाली एस-400 सुदर्शन चक्र ने आसमान में ही नेस्तनाबूत कर दिया।

आतंकवाद से निपटना ही लक्ष्य

भारत ने यह जवाबी कार्रवाई तब की, जब बौखलाया पाकिस्तान नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर न केवल उकसावे की कार्यवाही कर रहा था, बल्कि नागरिक आबादियों पर भी हमले कर रहा था। इन हमलों में 16 भारतीय नागरिक मारे गए हैं। चूंकि भारत का लक्ष्य आतंकवाद से निपटना है, जबकि पाकिस्तान आतंकवादियों का समर्थक देष होने के साथ उन्हें पालता-पोसता भी रहा है। अतएव भारत ने आतंक के खिलाफ जो ऑपरेशन चलाया हुआ है, उसके समर्थन में भारत को विश्व समुदाय खुला समर्थन दे रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व का ही कमाल है, कि वैष्विक षक्तियां कह रही हैं कि भारत को आत्मरक्षा का अधिकार है। इसलिए आतंकियों को पालने वालों का खात्मा होना चाहिए। इस सिलसिले में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, नीदरलैंड और इजरायल के बड़े नेताओं ने भारत द्वारा आत्मरक्षा के लिए चलाए जा रहे सामरिक अभियान का समर्थन किया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जेएन बैरों ने कहा है कि फ्रांस आतंकी समूहों के खिलाफ भारत के संघर्ष का समर्थन करता है। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋशि सुनक का कहना है कि किसी भी देश को दूसरे देश से होने वाले आतंकी हमले स्वीकार नहीं करने चाहिए। अतएव भारत का आतंकवाद के ढांचे पर हमला उचित है। आतंकवादियों को बिना सजा दिए नहीं छोड़ा जा सकता है। इजरायल के राजदूत आर अजार ने कहा, भारत को आत्मरक्षा का पूरा हक है, आतंकवादियों के अपराधों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा कि आतंकी बिना दंड मिले आतंकवाद नहीं छोड़ सकते हैं। भारत को अपनी रक्षा का अधिकार है, हम भारत के साथ हैं। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता और यूएन में अमेरिका की राजदूत रहीं निकी हेली ने दुख जताते हुए कहा कि आतंकी हमले में दर्जनों भारतीय मारे गए हैं। इसलिए भारत के पास अपनी सुरक्षा और जवाबी

कार्यवाही का पूरा अधिकार है। पाकिस्तान खुद को पीड़ित के तौर पर प्रदर्शित न करे, किसी भी देश को आतंकवाद का पोषण करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। इसी मुद्दे पर ब्रिटिश की संसद में चर्चा हुई। इसमें भारतीय मूल की सांसद प्रीति पटेल ने आक्रामक लहजे में कहा कि भारत को अपनी रक्षा के लिए सख्त कदम उठाने का अधिकार है। पाकिस्तान में मौजूद आतंकी भारत और पश्चिमी हितों के लिए खतरा बन गए हैं। यह वही देश है, जहां अमेरिका पर आतंकी हमले का दोषी ओसामा बिन लादेन छिपा हुआ था।

भारत का आत्मबल मजबूत

तय है, विश्व के प्रमुख देशों के इस समर्थन से भारत का आत्मबल मजबूत बना रहेगा। यदि पाकिस्तान हठी रुख अपनाए रखता है तो भारत मुंहतोड़ जवाब देकर पाकिस्तान और उसकी आतंक परस्त सेना के हौसले पस्त कर देगा। यानी पाकिस्तान पीछे नहीं हटता तो युद्ध के हालात गंभीर होंगे और पाक को बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत अब नियंत्रण रेखा हो या अंतरराष्ट्रीय सीमा लांघने से संकोच नहीं करेगा। भारत ने यह 2016 और 2019 में पाक स्थित आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक करके दिखा भी दिया था। वे दिन लद गए जब आतंकियों द्वारा कराए गए छद्म युद्ध में केंद्र में स्थित सरकारें कठोर निर्णय लेने में हिचकिचाती रही हैं। पहलगाम हमले के बाद जिन पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया गया था, तब प्रधानमंत्री ने संकल्प लेते हुए कहा था कि इस बार आतंकियों को कल्पना से परे सजा दी जाएगी।

भारत की मजबूत रणनीति

अंततः मोदी ने सेना के तीनों अंगों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर मजबूत रणनीति बनाई और फिर आतंकियों और पाक के सुरक्षा उपकरणों को दो दिन के भीतर जमींदोज कर दिया। हालांकि युद्ध के संकल्प को तार्किक कामयाबी तक पहुंचाना मुश्किल होता है। क्योंकि कोई भी सैन्य कार्यवाही न सरल होती है और न ही एकतरफा होती है, लेकिन मोदी के नेतृत्व ने पाकिस्तानी सेना के मंसूबों और उसके सरपरस्त आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करके दुनिया को यह जता दिया कि भारत और हिंदू धर्म के लिए स्त्री के सुहाग का कोई मोल नहीं है। आरंभ में यह सैनिक अभियान नहीं था, लेकिन जब पाक सेना ने सीमा पर गोलाबारी करके भारतीय नागरिकों को मौत के घाट उतारना शुरू कर दिया तो भारत को हमला करने के लिए मजबूर होना पड़ा। बावजूद पाक सेना को भारत प्रत्यक्ष निशाना नहीं बना रहा है। नागरिक वस्तुओं पर हमला करने से बच रहा है। हां, आतंकी ठिकानों पर जरूर हमले किए हैं, जिनमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। इस अर्थ में भारत की यह कार्रवाई रक्षात्मक थी। नतीजतन पाक को जवाबी कार्रवाई की कोई नैतिक गुंजाइश नहीं रह गई थी। बावजूद पाकिस्तान ने नागरिक बस्तियों पर हमले बोले। अलबत्ता भारत ने जो पलटवार किया है, वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अंतर्गत ही किया है। इस हमले के बाद भारत के पक्ष में जिस तरह विश्व समुदाय उठ खड़ा हुआ है, उससे पाक फिलहाल अलग-थलग पड़ गया लग रहा है। जाहिर है, मोदी ने अनेक देशों की यात्राएं करके जो द्विपक्षीय कूटनीतिक संबंध राष्ट्रहित में बनाए हैं, वे अब फलीभूत होते लग रहे हैं। इसीलिए कहीं से भी समर्थन नहीं मिल पाने की वजह से एक तो पाक बौखला रहा है, दूसरा उसका मनोबल भी टूट रहा है। मोदी ने वैश्विक आतंकवाद से लड़ने के लिए बीते पांच साल से जो मुहिम चलाई हुई थी, वह एक रंग में रंगी दिखाई दे रही है। उधर, बलूचिस्तान ने पाकिस्तान की सभी चौकियों से सेना को खदेड़कर स्वतंत्र देश की मांग संयुक्त राष्ट्र से कर दी है और पीओके के नागरिक भारत में विलय की मांग कर रहे हैं, यानि पाकिस्तानी की मुश्किलें अभी और बढ़ेंगी।

रात्रि के समय मकान में घुस कर नकदी व जेवरात चोरी की वारदात का खुलासा

थाना पुलिस ने नकबजनी की वारदात करने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कोटपूतली थाना पुलिस ने 6 और 7 मई की मध्यरात्रि को डाबला रोड स्थित भागीरथ एनक्लेव में एक मकान में हुई चोरी की वारदात का खुलासा किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की गई संपत्ति भी बरामद की। एसएचओ राजेश शर्मा के अनुसार, परिवादी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि 6 मई की रात परिवार के साथ खाना खाकर सोने के बाद, सुबह उठने पर एक कमरे का दरवाजा खुला हुआ था और वहां का सामान बिखरा पड़ा था। सोने का मंगलसूत्र, एक घड़ी, पर्स में रखी 20-20 रुपये की नोटों की गड्डी सहित अन्य नकदी गायब थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। 24 घंटे के भीतर पुलिस ने वारदात के आरोपी नासिर (20), पुत्र मुस्तफा अली पठान, निवासी सुलतानपुर पट्टी, थाना बाजपुर, जिला उधमसिंह नगर, उत्तराखंड, वर्तमान में रजा मस्जिद के पास, थाना स्वार, जिला रामपुर, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से चोरी किए गए जेवरात, घड़ी और नकदी बरामद की गई। पुलिस अब आरोपी से गहनता से पूछताछ कर रही है ताकि वारदात के और पहलुओं का खुलासा हो सके।

बाल संस्कार केंद्र में मनाई महाराणा प्रताप जयंती

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

सेवा भारती समिति कोटपूतली द्वारा संचालित महाराणा प्रताप बाल संस्कार केंद्र आदर्श नगर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य आयाम प्रमुख भूपेंद्र सोनी ने बच्चों को महाराणा प्रताप के जीवन, उनके साहस, आत्म बलिदान और मातृभूमि के प्रति प्रेम की प्रेरणादायक कहानियाँ सुनाई। कार्यक्रम की शुरुआत द्वीप प्रज्जवलन और राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद बच्चों ने महाराणा प्रताप पर आधारित कविताएं, नाटक और भाषण प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने बताया कि महाराणा प्रताप केवल एक महान योद्धा नहीं थे, बल्कि वे स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक भी थे। बाल संस्कार केंद्र की बालिका पीहू सैनी ने महाराणा प्रताप का चित्र बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समिति के कार्यकर्ताओं ने बच्चों को उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति, संस्कार और चरित्र निर्माण की भावना को प्रबल करना था। अंत में सभी बच्चों को प्रसाद वितरित किया गया और सामूहिक जयघोष "महाराणा प्रताप अमर रहें" के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भिवाड़ी में बिजली तार चोरी का इनामी आरोपी गिरफ्तार

7 साल से फरार था जाकिर मोटा गैंग का सदस्य

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी पुलिस ने बिजली तार चोरी के मामले में 7 साल से फरार इनामी बदमाश को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) भिवाड़ी और थाना टपुकड़ा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में जाकिर मोटा गैंग के सदस्य जुबेर उर्फ नांदी (35) को पकड़ा गया। आरोपी हरियाणा के गुणावट का रहने वाला है। भिवाड़ी एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने इस पर 2 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। जुबेर का गैंग 11 हजार और 33 हजार केवी की चलती बिजली लाइनों से तार चुराता था, जिससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित होती थी। थाना टपूकड़ा में दर्ज दो मामलों में फरार यह बदमाश पिछले 7-8 वर्षों से वाहन चालक के रूप में काम कर रहा था। डीएसटी के कॉन्स्टेबल गोपी की सूचना के आधार पर थानाधिकारी टपूकड़ा राजीव शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पलवल के पास से उसे धर दबोचा। पुलिस ने बताया कि आरोपी से अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है। यह गिरफ्तारी क्षेत्र में बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस की इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में राहत की उम्मीद जगी है।

आज विधुत आपूर्ति रहेगी बाधित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

रविवार दिनांक 11.05.2025 को 220 केवी जीएसएस से निकलने वाले 33 केवी कजारिया फीडर की विधुत सप्लाई आवश्यक कार्य हेतु सुबह 08.00 एएम से 02.00 पीएम तक बंद रहेगी जिससे कैपस्टोन, मान पोषण, पूछो, सुधीर पावर, स्टैनवैक, एनजीएमएन-पिगीनिम्न उधोग की विधुत सप्लाई बंद रहेगी।

श्री भोमियां जी महाराज का 54 वाँ विशाल मेला रविवार को, श्रद्धालुओं में उत्साह

'वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कस्बे की ढ़ाणी कायथावाली में श्री भोमियां जी महाराज का 54वाँ विशाल मेला रविवार को धूमधाम और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। मेले की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं और क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना हुआ है। श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत शनिवार को प्रात 8 बजे अखण्ड श्रीरामचरित्र पाठ के साथ हुई। पाठ का आयोजन श्री श्री 1008 जानकीदास महाराज के सानिध्य में मंदिर परिसर में किया जा रहा है, जिसका समापन रविवार प्रात 8 बजे किया जाएगा। रामचरित्र पाठ के दौरान भजन-कीर्तन, आरती व मंत्रोच्चारण से माहौल भक्तिमय बना हुआ है। रविवार को प्रात 7.15 बजे से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर शामिल होंगी। कलश यात्रा पूरे गांव में भ्रमण करेगी और धार्मिक वातावरण को और भी पावन बनाएगी। इसके पश्चात प्रात 9.15 बजे से यज्ञ-हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आचार्यों द्वारा वैदिक विधियों से पूजा-अर्चना की जाएगी। दोपहर 12.15 बजे से श्रद्धालुओं के लिए विशाल भण्डारे का आयोजन होगा, जिसमें प्रसादी वितरण किया जाएगा। स्थानीय ग्रामीणों सहित दूर-दराज से आने वाले भक्तजन प्रसादी का लाभ लेंगे। आयोजन समिति द्वारा भण्डारे की व्यापक तैयारी की गई है, ताकि किसी को भी असुविधा न हो। रात्रि 9.15 बजे से सत्संग का आयोजन होगा, जिसमें भजन-कीर्तन, भक्ति गीत और प्रवचन प्रस्तुत किए जाएंगे। इस मौके पर नामचीन भजन गायकों के साथ-साथ साधु-संतों के भी आने की संभावना है। सत्संग के दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर अध्यात्मिक शांति का अनुभव करेंगे। मेले को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि मेले की व्यवस्था हेतु वालंटियर लगाए गए हैं जो साफ-सफाई, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखेंगे। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, चिकित्सा और पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था की गई है। यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का भी उदाहरण बनता है। हर वर्ष की तरह इस बार भी मेले में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

आज रहेगी विद्युत सप्लाई बंद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

रविवार को बीलियावास, बघाना, कतोपुर, जौडिया, कोटकासिम जीएसएस से निकलने वाले समस्त फीडरो की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। विद्युत कनिष्ठ अभियंता एवं एचटीएम अंकिता यादव ने बताया की बीलियावास, बघाना, कतोपुर, जौडिया, कोटकासिम जीएसएस से निकलने वाले समस्त फीडरो की विद्युत सप्लाई आवश्यक रख-रखाव एवं मरम्मत कार्य के चलते रविवार 11 मई को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक बंद रहेगी।

जिला कलेक्टर की आमजन से अपील - किसी भी प्रकार की विस्फोटक वस्तु को न छुएं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं पर कोई फटा या अनफटा बम दिखाई दे, तो उसे कभी न छुएं और न ही हिलाने का प्रयास करें। ऐसी किसी भी स्थिति में तत्काल पुलिस या स्थानीय प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने कहा कि आमजन को सतर्क और जिम्मेदार रहना चाहिए, लेकिन किसी भी अफवाह या अनावश्यक भय से बचना जरूरी है। घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि शांत रहकर प्रशासन को सूचित करना ही सबसे सही कदम है। उन्होंने आमजन से अपील की सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी अफवाह को आगे शेयर नहीं करें तथा खुद भी इससे बचे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ऐसे क्षेत्र को तत्काल घेराबंदी कर लें और निकटतम सेना इकाई को सूचना दें ताकि स्थिति को सुरक्षित और नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह एक अत्यंत संवेदनशील और गंभीर मामला है, जिसे नजरअंदाज न करें। आपकी सतर्कता कई जानें बचा सकती है।

औद्योगिक प्रोत्साहन शिविरों का किया जाएगा आयोजन

युवाओं को मिलेगी उद्योग स्थापना व ऋण योजनाओं कि जानकारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राज्य सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं और नवोदित उद्यमियों को उद्योग स्थापना, ऋण योजनाओं तथा अन्य औद्योगिक सुविधाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से औद्योगिक प्रोत्साहन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र भिवाड़ी सुरजीत सिंह खोरिया ने बताया कि शिविर प्रातः 11.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक 14 मई को पंचायत समिति सभागार, तिजारा, 15 मई को पंचायत समिति सभागार, कोटकासिम,16 मई को पंचायत समिति सभागार, मुण्डावर में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में युवाओं को डॉ. भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित एवं आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना राजस्थान एक जिला एक उत्पाद नीति, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, राजस्थान MSME नीति 2024, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी 2024, तथा राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 जैसी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। महाप्रबंधक ने बताया कि शिविर प्रभारी द्वारा प्रतिभागियों को प्रोजेक्ट चयन, प्रशिक्षण सुविधा, ऋण सहायता और अन्य योजनाओं से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे वे अपने उद्यम की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ सकें। उन्होंने भावी उद्यमियों से अपील की युवा अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर शिविर का लाभ उठाएं।

तीन दिन तक चलेंगे औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

खैरथल-तिजारा जिले में युवाओं को स्वरोजगार और उद्यम स्थापना के लिए प्रेरित करने हेतु जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र, भिवाड़ी द्वारा औद्योगिक प्रोत्साहन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सुरजीत सिंह खोरिया ने बताया कि ये शिविर जिले के तीन स्थानों पर आयोजित होंगे। तिजारा में 14 मई, कोटकासिम में 15 मई, और मुंडावर में 16 मई को पंचायत समिति सभागारों में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक शिविर चलेंगे। इन शिविरों में युवाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इनमें डॉ. भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित और आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, राजस्थान एक जिला एक उत्पाद नीति, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, राजस्थान स्स्ध नीति 2024, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी 2024, और राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 शामिल हैं। शिविर प्रभारी युवाओं को प्रोजेक्ट चयन, प्रशिक्षण सुविधा, और ऋण सहायता की जानकारी प्रदान करेंगे, जिससे वे अपने उद्यम शुरू कर सकें। यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित होगी। महाप्रबंधक ने जिले के युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में भाग लें और योजनाओं का लाभ उठाएं। यह आयोजन युवाओं के लिए अपने सपनों को साकार करने का सुनहरा अवसर है।

त्रिकोणीय श्रृंखला : फाइनल में भारतीय महिला टीम के सामने आज श्रीलंका की चुनौती

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारतीय महिला टीम रविवार को यहां होने वाले त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ हर विभाग में दमदार प्रदर्शन कर चैंपियन बनने की कोशिश करेगी। इस श्रृंखला में भारत को एकमात्र हार श्रीलंका के खिलाफ मिली है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में हालांकि टीम ने सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया और लीग चरण में चार मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर रही।

श्रीलंका दो जीत के साथ दूसरे स्थान पर रहा जबकि दक्षिण अफ्रीका ने अपना अभियान चार मैचों में एक सफलता के साथ तीसरे और आखिरी पायदान पर खत्म किया। इस मुकाबले को जीतना भारत और श्रीलंका दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इससे इस साल के अंत में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों में मदद मिलेगी।

फार्म में भारतीय बल्लेबाज

टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन सराहनीय रहा है जिसमें जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक शतक (123) सहित 67 की औसत से अब तक 201 रन बनाए हैं। प्रतिका रावल (164), स्मृति मंधाना (148) और दीप्ति शर्मा (126) ने भी बल्ले से प्रभावी योगदान दिए हैं। दीप्ति की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 93 रन की पारी ने भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचने में मदद की और यह भी जता दिया कि जरूरत पड़ने पर टीम का निचला क्रम भी बल्ले से प्रभावी योगदान दे सकता है।

कप्तान ने खेली छोटी पारियां

कप्तान हरमनप्रीत कौर फाइनल में बड़ा स्कोर खड़ा कर श्रृंखला में बल्ले से अबतक की निराशा को पीछे छोड़ना चाहेगी। हरमनप्रीत ने अब तक नाबाद 41, 30 और 28 रन की उपयोगी पारियां खेली है लेकिन अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रही है। स्नेह राणा भारत की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज साबित हुई है। दाएं हाथ की इस स्पिनर ने अब तक 11 विकेट चटकाए है जिसमें से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पारी में पांच विकेट लेना भी शामिल है।

श्रीलंका को हर्षिता और चमारी से बड़ी पारी की उम्मीद

श्रीलंका की टीम एक बार फिर से हर्षिता समरविक्रमा से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। उन्होंने लीग चरण में 53 रन की पारी खेल भारत के खिलाफ टीम को जीत दिलाई थी। इस 26 साल की वामहस्त बल्लेबाज ने अब तक दो अर्धशतक की मदद से 177 रन बनाए है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अट्टापट्टू ने अपनी ख्याति के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने 88 रन बनाने के साथ पांच विकेट लिए थे। वह फाइनल में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ भारत की मुश्किलें बढ़ना चाहेंगी। श्रीलंकाई गेंदबाजों में देवमी विहंगा (नौ विकेट) का सबसे ज्यादा प्रभावित किया है।

संभावित टीमें

भारत : प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, काशवी गौतम, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, नल्लापुरेड्डी चरणानी, यास्तिका भाटिया, अमनजोत कौर, तेजल हसबनिस, शुचि उपाध्याय।

श्रीलंका: चमारी अट्टापट्टू (कप्तान), कविशा दिलहारी, इनौशी प्रियदर्शनी, विशमी गुणरत्ने, हंसिमा करुणारत्ने, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, मल्की मदारा, हर्षिता समाराविक्रमा, मनुडी नानायककारा, हासिनी परेरा, पिउमी वाथसाला, इनोका राणावीरा, अनुष्का संजीवनी, रश्मिका सेववंडी, नीलाक्षिका सिल्वा, देवमी विहंगा।

खबर संक्षेप

दीक्षा और प्रणवी का स्कोर तीन ओवर 147

सोल। भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर और प्रणवी उर्स ने शनिवार को यहां अरामको कोरिया चैंपियनशिप में क्रमशः 74 और 75 के कार्ड खेले जिससे दोनों संयुक्त रूप से 32वें स्थान पर बनी हुई हैं। दीक्षा ने फ्रंट नाइन में तीन ओवर के निराशाजनक स्कोर से उबरते हुए दो ओवर 74 का कार्ड खेला जबकि प्रणवी ने तीन ओवर 75 का कार्ड बनाया। अब दोनों का कुल स्कोर तीन ओवर 147 है जिससे दोनों संयुक्त 32वें स्थान पर बनी हुई हैं।

गोल्फर वीर अहलावत तुर्की में कट से चूके

अंताल्या। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत ने पहले दौर की तुलना में दूसरे दौर में अपने खेल में कुछ सुधार किया लेकिन यह पर्याप्त नहीं था और वह टर्किश एयरलाइंस ओपन में कट से चूक गए।

पहले दौर ने चार ओवर 75 का कार्ड खेलने वाले अहलावत ने दूसरे दौर में दो ओवर 73 का स्कोर बनाया और इस तरह से कट हासिल करने में असफल रहे। लगभग छह सप्ताह के बाद वापसी करने वाले अहलावत ने दूसरे दौर में दो बर्डी, दो बोगी और एक डबल बोगी की और इस तरह से छह ओवर का कुल स्कोर बनाकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

अक्षय दूसरे दौर के बाद संयुक्त चौथे स्थान पर

फिलाडेल्फिया। भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी अक्षय भाटिया ने ट्विस्ट गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे दिन यहां इवन पार का राउंड खेला और 63-70 के कार्ड के साथ शीर्ष-पांच में बने रहे। भाटिया दूसरे दौर के बाद जस्टिन

थॉमस (66-67), रोरी मैकलरॉय (66-67), कोलिन मोरीकावा (63-80), सी वू किम (65-69) और पैट्रिक कैंटले (65-68) के साथ सात अंडर का कुल स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। भारतीय मूल के ब्रिटिश खिलाड़ी आरोन राय (65-72) दिन के अंत में संयुक्त 33वें स्थान पर रहे।

विश्व चैम्पियनशिप : मिश्रित चार गुणा 400 मीटर टीमें क्वालीफाई करने से चुकीं

ग्वांगजू (चीन)। भारतीय पुरूष और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर टीमें तोक्यो विश्व चैम्पियनशिप के लिये सीधे क्वालीफाई करने से चूक गईं और यहां शनिवार को विश्व एथलेटिक्स रिले के पहले दिन पांचवें स्थान पर रहीं। दोनों टीमों को 13 से 21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनाने का एक और मौका रविवार को मिलेगा। भारत की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित टीम (जय कुमार, स्नेहा कोल्लेरी, धरमवीर चौधरी और रूपल चौधरी) ने मिनट 16 . 85 सेकंड का समय निकालकर सात टीमों की तीसरी हीट में पांचवें स्थान पर रहे।

तीरंदाजी विश्व कप : कम्पाउंड वर्ग में भारतीय दल ने रचा इतिहास

मधुरा वर्ल्ड चैंपियन, जीते स्वर्ण-रजत और कांस्य, भारत ने जीते पांच पदक

एजेंसी ▶▶| शंघाई

मधुरा धामनगांवकर ने राष्ट्रीय टीम में तीन साल के बाद शानदार वापसी करते हुए शनिवार को तीरंदाजी विश्व कप चरण दो के कम्पाउंड वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण के साथ टीम स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक जीतकर भारत को बड़ी कामयाबी दिलाई। भारत ने शनिवार कम्पाउंड वर्ग में दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते।

मधुरा को तीन साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा नहीं करने के कारण विश्व तीरंदाजी रैंकिंग में जगह नहीं मिली है। इस 24 साल की खिलाड़ी ने अमेरिका की कार्सन क्रेहे पर 139-138 की शानदार जीत के साथ अपना पहला व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र की अमरावती की इस खिलाड़ी ने इससे पहले महिला टीम स्पर्धा में रजत और अभिषेक वर्मा के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

खास रहा व्यक्तिगत स्वर्ण

मधुरा के लिए लिए हालांकि व्यक्तिगत स्वर्ण सबसे खास रहा क्योंकि उन्होंने उतार-चढ़ाव से भरे खिताबी मुकाबले में धैर्य बनाए रखा। वह तीसरे गेम में सात अंक के निशाने के बाद 81-85 से पीछे चल रही थीं। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने हालांकि दबाव में शानदार संयम दिखाया और चौथे गेम में सिर्फ एक अंक गवां कर स्कोर 110-110 पर बराबर कर लिया। मधुरा ने निर्णायक गेम में दो 10 के निशाने लगाए और ये दोनों केंद्र के बिलकुल करीब थे। उन्होंने तीसरे प्रयास में नौ के निशाने के साथ क्रेहे को पछाड़ दिया।

शानदार शुरुआत

मधुरा क्वालीफायर्स में तीसरे स्थान के साथ भारतीयों में शीर्ष पर थी। उन्होंने अपने अभियान के दौरान तुर्की की विश्व की 13वें नंबर की खिलाड़ी हेजल बुरुन को शिकस्त दी। मधुरा ने दो बार की विश्व कप टीम पदक विजेता को 143-141 से मात दी थी। मधुरा ने इससे पहले मेडेलिन में 2022 तीरंदाजी विश्व कप चरण चार में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

महिला तिकड़ी की चांदी

ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा और चिकिथा तानिपार्थी की टीम महिलाओं के कम्पाउंड फाइनल में मैक्सिको की मजबूत चुनौती से पार पाने में नाकाम रही और मुकाबला 221-234 से गंवा बैठी। फाइनल मुकाबले में भारतीय तीरंदाज मैक्सिको को कड़ी टक्कर देने में नाकाम रहे लेकिन इस तिकड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा से प्रभावित कर पोडियम पर स्थान सुनिश्चित किया। वर्मा और मधुरा की भारतीय मिश्रित टीम ने तीसरे स्थान के प्लेऑफ में मलेशिया को हराकर कांस्य पदक जीतने के साथ पदक तालिका में भारत की स्थिति मजबूत की।

पुरुष टीम ने जीता स्वर्ण

इससे पहले कम्पाउंड पुरुष टीम ने स्वर्ण जीता। अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और ऋषभ यादव की पुरुष टीम ने फाइनल में मैक्सिको को 232-228 से हराया। भारतीय तिकड़ी ने धैर्य के साथ दबाव वाली परिस्थितियों में अचूक निशाना साध कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

ऋषभ ने कांस्य पर साधा निशाना

ऋषभ ने पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक के रोमांचक मुकाबले में दक्षिण कोरिया के किम जोंगहो को हराया। भारतीय खिलाड़ी का शूटआउट में 10 अंक वाला निशाना केंद्र के करीब था। इस 22 साल के भारतीय खिलाड़ी का यह विश्व कप में पहला व्यक्तिगत पदक है। वह इससे पहले सेमीफाइनल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और कई बार के विश्व चैंपियन नीदरलैंड के माइक श्लोएसर से 144-147 से हार गए थे।

चेतावनी

बिना अनुमति विदेश में ट्रेनिंग की तो खिलाड़ियों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने शनिवार को घोषणा की कि वह उन खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगा जो बिना लिखित अनुमति के विदेश में ट्रेनिंग करते हैं और प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेते हैं।

एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि ऐसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन रिकॉर्ड बुक के लिए भी अमान्य माना जाएगा। उन्होंने कहा कि एएफआई इस महीने से कार्रवाई शुरू कर देगा। सागू ने कहा, 'विदेशी सरजमीं पर प्रतिस्पर्धा और ट्रेनिंग के लिए देश में ट्रैक एंव फील्ड की राष्ट्रीय संचालन संस्था से पहले से अनुमति नहीं लेने वाले व्यक्तिगत खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अगर एथलीट अंतरराष्ट्रीय 'एक्सपोजर' (ट्रेनिंग और अभ्यास) के लिए एएफआई की मंजूरी नहीं लेते हैं जो कि अनिवार्य है तो उनका प्रदर्शन रिकॉर्ड बुक के लिए अमान्य हो जाएगा। एथलीटों के हितों की रक्षा के लिए एएफआई ने विदेश में ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देने के लिए एक विशिष्ट समय अवधि निर्धारित की है।'

भुल्लर संयुक्त 43वें और चौरसिया 62वें स्थान पर

चीबा। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर और एसएसपी चौरसिया शनिवार को यहां इंटरनेशनल सीरीज जापान के तीसरे दौर में क्रमशः संयुक्त 43वें और संयुक्त 62वें स्थान पर बने हुए हैं। एशियाई टूर पर 11 बार के विजेता भुल्लर ने इवन पार 71 का कार्ड खेला जिससे वह 54 होल के बाद दो अंडर पर हैं। वहीं एशियाई टूर पर छह बार के विजेता चौरसिया ने एक ओवर 72 का कार्ड खेला जिससे वह तीन दिन में एक ओवर के स्कोर पर हैं। भुल्लर ने तीन बर्डी, एक बोगी और एक डबल बोगी की जबकि चौरसिया ने तीन बर्डी, दो बोगी और एक डबल बोगी की। पांच अन्य भारतीय कट हासिल करने से चूक गए।

क्रिकेट

आईपीएल टलने के बाद लौटे विदेशी खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण आईपीएल एक हफ्ते के लिए स्थगित होने के बाद टीमों के अधिकांश विदेशी खिलाड़ी शनिवार को अपने अपने देश लौट गए।

जम्मू और पठानकोट में हवाई हमले की चेतावनी के बाद धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार का मैच बीच में ही रद्द होने के एक दिन बाद आईपीएल भी स्थगित कर दिया गया था। इस बीच बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा कि हालात की व्यापक समीक्षा के बाद टूर्नामेंट का संशोधित कार्यक्रम और वेन्यू की जानकारी दी जाएगी। टूर्नामेंट स्थगित होने के बाद से खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ अपने अपने शहर लौटने लगे जबकि कई विदेशी खिलाड़ी भी लौट रहे हैं। आरसीबी के विदेशी खिलाड़ियों में टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, फिल साल्ट , जोश हेजलवुड, लुंगी एंगिडि और नुवान तुषारा हैं। विदेशी सहयोगी स्टाफ में मुख्य कोच एंडी फ्लावर, गेंदबाजी कोच एडम गिफिथ, क्रिकेट परिचालन निदेशक मो बोबाट, टीम फिजियो इवान स्पीचली और विशेषज्ञ फ्रेडी विल्डे शामिल हैं।

टीमों ने जारी किया बयान

आरसीबी ने बयान में कहा, 'हम बीसीसीआई, स्थानीय अधिकारियों और पुलिस के सहयोग के लिए शुक्रगुजार हैं।' लखनऊ सुपर जाइंट्स के एक अधिकारी ने भी बताया कि उसके कुछ विदेशी खिलाड़ी शनिवार को चले गए हैं जबकि कुछ अभी भारत में ही रुकेंगे। मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी अपने अपने गंतव्य को चले गए हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच लौटे खिलाड़ी

सूत्र के अनुसार केकेआर के खिलाड़ी हैदराबाद से चले गए हैं जहां उन्हें शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना था। धर्मशाला में आईपीएल मैच रद्द होने के बाद पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच अलग अलग बैच में होशियारपुर से जालंधर रेलवे स्टेशन लाया गया था। इसके बाद विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस से उन्हें दिल्ली लाया गया। पंजाब किंग्स के एक सूत्र ने बताया कि उसके अधिकांश विदेशी खिलाड़ी रवाना हो गए हैं।

खेलो इंडिया: हर्षबर्धन और अस्मिता ने भारोत्तोलन में पहले दिन राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड बनाया

पटना। हर्षवर्धन साहू और अस्मिता धोने ने खेलो इंडिया युवा खेल 2025 में भारोत्तोलन स्पर्धा के पहले दिन रिकॉर्ड प्रदर्शन किया। ओडिशा के गंजम जिले के खेलो इंडिया खिलाड़ी साहू ने लड़कों के 49 किलो वर्ग में दो राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड बनाये। बाईस मई को 16 वर्ष के होने जा रहे साहू ने क्लीन और जर्क और समग्र भार में क्रमशः 115 और 203 किलो वजन उठाकर नया राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने स्नैच में 88 किलो वजन उठाया। पिछले रिकॉर्ड झारखंड के बाबूलाल हेमब्रोम के नाम थे। आईडब्ल्यूएफ विश्व युवा चैम्पियनशिप में पदकों की हैट्रिक लगाने वाली 16 वर्ष की ज्योशना साबर ने लड़कियों के 40 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वहीं महाराष्ट्र की अस्मिता धोने और उत्तर प्रदेश की मानसी चामुंडा ने लड़कियों के 49 किलो वर्ग में स्नैच, क्लीन एंड जर्क और समग्र भारवर्ग में नये राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड बनाये। महाराष्ट्र 27 स्वर्ण, 21 रजत और 24 कांस्य समेत 72 पदक लेकर शीर्ष पर है। कर्नाटक दूसरे स्थान पर है जबकि राजस्थान तीसरे, मध्यप्रदेश चौथे और पंजाब पांचवें स्थान पर है। दिल्ली की 25 मीटर पिस्टल निशानेबाज नाम्या कपूर ने मध्यप्रदेश की अंजलि भागवत को एक अंक से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं असम के प्रियांशु भट्टाचार्य ने लड़कों के वर्ग में बाजी मारी। मेजबान बिहार सेपक टेकरॉ के दोनों फाइनल हार गया।

अनाहत-अभय का विश्व स्क्वाश में जीत से आगाज

शिकागो। भारत की युवा खिलाड़ी अनाहत सिंह ने यहां दुनिया की 28वें नंबर की अमेरिकी खिलाड़ी मरीना स्टेफानोनी को हराकर विश्व स्क्वाश चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। दुनिया में 62वें नंबर की 17 वर्षीय अनाहत ने पहले गेम में हार से उबरते हुए शुक्रवार को इस टूर्नामेंट के महिला एकल के शुरुआती दौर में 10-12, 11-9, 6-11, 11-6, 11-6 से जीत हासिल की।

अनाहत को अगले दौर में दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी फ़ायरोज़ अबोएलखिर की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा, जिन्होंने इस 656,500 अमेरिकी डॉलर इनामी टूर्नामेंट के पहले दौर के मुकाबले में मिस्र की हाना मोताज़ को 3-1 से हराया। भारत के अभय सिंह ने भी जीत

से शुरुआत करते हुए दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी निकोलस मुलर को बाहर का रास्ता दिखाया। विश्व में 38वीं रैंकिंग के खिलाड़ी अभय सिंह ने पुरुष एकल के अपने शुरुआती दौर के मैच में अपने स्विस प्रतिद्वंद्वी को 11-7, 2-11, 11-7, 11-6 से हराया। अभय सिंह का अगला मुकाबला मिस्र के विश्व में 13वें नंबर के खिलाड़ी यूसुफ इब्राहिम से होगा।

ताइपे ओपन : आयुष और उन्नति सेमीफाइनल में हारे

ताइप। उभरते हुए बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा को शनिवार को यहां क्रमशः पुरुष और महिला एकल के सेमीफाइनल में हार के साथ बीडब्ल्यूएफ ताइपे ओपन सुपर 300 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने इस 2.40 लाख डॉलर इनामी टूर्नामेंट में अंतिम चार तक के अपने सफर में प्रभावशाली प्रदर्शन कर प्रभावित किया। विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता 20 साल के आयुष ने विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज स्थानीय खिलाड़ी चोऊ टीएन चेन को कड़ी टक्कर दी। लगभग दो दशक से अंतरराष्ट्रीय सर्किट में खेल रहे चीनी ताइपे खिलाड़ी ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए आयुष को 21-18, 21-17 से मात दी।

महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर में हुआ अजीब मुकाबला

यूएई की पूरी टीम रिटायर आउट, फिर भी कतर को हराया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीम ने शनिवार को कतर के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले के दौरान अपने फैसले से सभी को चौंका दिया। यूएई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पूरी टीम को रिटायर आउट किया। यूएई ने कतर के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था और 16 ओवर में 192 रन बनाए। जवाब में कतर की पूरी टीम 29 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह यूएई ने यह मुकाबला 163 रनों से जीता।

रिटायर आउट का फैसला

पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई की ओर से सलामी बल्लेबाज तीर्था सतीश और कप्तान ईशा रोहित ओजा ने पहले विकेट के लिए 192 रनों की साझेदारी की। लेकिन बारिश की संभावना को देखते हुए यूएई ने अपनी पूरी टीम को रिटायर आउट करने का फैसला किया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टी20 में टीम घोषित करने का नियम लागू नहीं होता है। यूएई का प्रत्येक बल्लेबाज पैड पहनकर मैदान पर उतरा और उसे रिटायर आउट करार दिया गया।

कतर नहीं पेश कर सका चुनौती

यूएई के लिए यह स्कोर काफी साबित हुआ क्योंकि कतर की टीम कोई चुनौती भी पेश नहीं कर सकी। यूएई के लिए ईशा ने सबसे ज्यादा 55 गेंदों पर 14 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 113 रन बनाए। वहीं, तीर्था ने 42 गेंदों पर 11 चौकों के सहारे 74 रन बनाए। ईशा ने साथ ही एक विकेट भी लिया और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। यूएई की ओर से मिचेले बोथा ने तीन विकेट लिए। इस जीत के साथ यूएई की टीम टूर्नामेंट में चार अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गई है।

शहर के निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद महिला की मौत परिजनों ने डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही करने का आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में बाड़ी रोड स्थित सरल हॉस्पिटल में एक प्रसूता की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया गया है। हुसैनपुर निवासी उषा पत्नी सत्यवीर को शनिवार सुबह प्रसव पीड़ा होने पर सरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने ऑपरेशन के लिए 25 हजार रुपए की मांग की। परिजनों ने यह राशि जमा करा दी। उषा के जेठ महेश के अनुसार ऑपरेशन के बाद उषा की हालत बिगड़ने लगी। डॉक्टरों ने उसे दूसरे अस्पताल ले जाने की सलाह दी, लेकिन अस्पताल से बाहर निकलते ही उषा की मौत हो गई। मौत की सूचना पर परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया गया है। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

जैसलमेर के ग्रामीण इलाकों में मिला पाकिस्तानी ड्रोन का मलबा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जैसलमेर

पाकिस्तान ने 9-10 मई की रात जैसलमेर में बने सैन्य ठिकानों पर ड्रोन से हमले की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस सिस्टम ने हवा में भी उसे निष्क्रिय करके नीचे गिरा दिया. अब शनिवार सुबह उन ड्रोन्स का मलबा जैसलमेर के ग्रामीण इलाकों से बरामद किया जा रहा है. भागू गांव के पास मंगलियों की ढाणी के शकूर में एक घर के पास ड्रोन के टुकड़े मिले हैं, जिसके बाद में पुलिस व प्रशासन को जानकारी दे दी गई है. देर रात ग्रामीणों ने आसमान में संदिग्ध आवाजें सुनी थीं. धमाके की गूंज इतनी तेज थी कि ये आसपास के गांवों तक सुनाई दी थी. आशंका जताई जा रही है कि जिस ड्रोन का मलबा बरामद हुआ है उसे भारतीय वायु सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने ही मारकर गिराया है. ग्रामीणों से जानकारी मिलते ही एक टीम मौके पर पहुंच गई है और सामान को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि कल रात अंतरराष्ट्रीय सीमा एवं नियंत्रण रेखा के पास 26 स्थानों पर ड्रोन देखे गए. इनमें संदिग्ध हथियार वाले ड्रोन शामिल हैं. जहां हमला हुआ उनमें बारामूला, श्रीनगर, अवंतीपोरा, नगरोटा, जम्मू, फिरोजपुर, पठानकोट, जैसलमेर, बाड़मेर, भुज एवं लक्खी नाला शामिल हैं. एक सशस्त्र ड्रोन के निशाने पर फिरोजपुर में एक रिहायशी क्षेत्र आया, जिसमें स्थानीय परिवार के कुछ सदस्य घायल हो गए. बॉर्डर के पास रहने वाले लोगों को मंत्रालय ने सलाह दी है कि वे अपने-अपने घरों के अंदर रहें. बिना वजह बाहर न आएं. उनसे स्थानीय अधिकारियों के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की गई है. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए सटीक हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया. पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे.

पाकिस्तानी हमले में झुंझुनूं का एयरफोर्स जवान शहीद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा झुंझुनूं

झुंझुनूं के एयरफोर्स के जवान पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक में शहीद हो गए। जम्मू-कश्मीर के मोगा (उधमपुर) में शुक्रवार रात को हुए अटैक में उनकी शहादत हुई। जवान सुरेंद्र कुमार मेहरादासी (मंडावा) के रहने वाले थे। परिवार के अनुसार वे 14 साल से एयरफोर्स की मेडिकल विंग में थे। जवान के शहादत की जानकारी उनकी मां और पत्नी को अब तक नहीं दी गई। पार्थिव देह को गांव कब लाया जाएगा इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। जिला कलेक्टर राम अवतार मीणा ने बताया कि सुरेंद्र कुमार 39 विंग उधमपुर में मेडिकल असिस्टेंट सार्जेंट थे। उनके शहीद होने की सूचना सेना मुख्यालय से उनके जीजा जयप्रकाश को फोन पर दी गई थी। जवान के चाचा सुभाष मोगा ने बताया कि सुरेंद्र मिलनसार और देशभक्त था। युवाओं को फौज की तैयारी भी टिप्स देता था। सुरेन्द्र कुमार 15 अप्रैल को ही अपने परिवार को साथ लेकर ड्यूटी पर वापस गए थे। गांव में उन्होंने नया मकान बनवाया था, जिसका गृह प्रवेश हाल ही में हुआ था। वे 15 अप्रैल को ही पत्नी व बच्चों के साथ वापस ड्यूटी पर लौट थे। शहीद सुरेन्द्र सिंह अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। सुरेन्द्र कुमार अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए। उनका परिवार उनके साथ ही रहता था। उनका एक बेटा 5 साल का और बेटी 8 साल की है। उनके पिता शिशुपाल सिंह सीआरपीएफ से सेवानिवृत्त थे, उनका निधन हो चुका है। अभी तक सुरेंद्र की मां और उनकी पत्नी को शहादत की जानकारी नहीं दी गई है। उनकी पत्नी सीमा अपने दादा के निधन के कारण बच्चों को लेकर 10 दिन पहले पीहर नवलगढ़ (झुंझुनूं) आई थी।

धौलपुर में दो ट्रकों से 75 पशु मुक्त कराए, पशु क्रूरता अधिनियम में मामला दर्ज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

धौलपुर जिले की सैंपऊ थाना पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर नाकाबंदी कर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने पशुओं से भरे दो ट्रक पकड़े। दोनों ट्रकों से कुल 75 पशुओं को मुक्त कराया गया। सैंपऊ थाना प्रभारी वीरेंद्र मीणा ने बताया कि पहली कार्रवाई एएसआई अजय सिंह की टीम ने बसई नवाब रोड पर की। एक ट्रक से 39 पशुओं को मुक्त कराया गया। इस ट्रक से आगरा निवासी दो आरोपी शकील और अन्नू को गिरफ्तार किया गया। दूसरी कार्रवाई हेड कॉन्स्टेबल मोहन सिंह की टीम ने लोधपुर मोड़ पर की। यहां से एक और ट्रक पकड़ा गया। इस ट्रक में 36 पशु ठूंस कर भरे हुए थे। पुलिस ने धौलपुर के पुराने शहर के रहने वाले असलम और आगरा निवासी सानू को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि सभी आरोपी पशुओं को उत्तर प्रदेश के बूचड़खाने ले जा रहे थे। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

संदिग्ध वस्तु दिखने पर पुलिस को सूचना दें, उग्रास-ढढू गांव में सुबह मिली थी मिसाइलनुमा वस्तुएं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

फलोदी पुलिस ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए आमजन से अपील की है कि किसी भी नागरिक को कहीं पर भी कोई संदिग्ध वस्तु दिखाई दे, तो तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दें। साथ ही उस वस्तु की फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल नहीं करने को कहा है। फलोदी एसपी पूजा अवाना ने अपनी अपील के जरिए जिले के सभी नागरिकों से कहा है कि वर्तमान परिस्थितियों में कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु दिखाई देती है, या गिरी हुई पाई जाती है

द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का किया शुभारंभ, कुल 6572 प्री-लिटीगेशन एवं लंबित प्रकरणों का निस्तारण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के आदेशानुसार अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर श्री अरुण कुमार अग्रवाल के तत्वावधान में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्धाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके एवं दीप प्रज्जलित करके किया गया। रेखा यादव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर ने बताया कि धौलपुर जिले में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निस्तारण हेतु कुल 11 बैंचों का गठन किया गया है। धौलपुर मुख्यालय पर 5 बैंचों का गठन किया गया है जिसमें स्थायी लोक अदालत धौलपुर एवं उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग धौलपुर के प्रकरणों हेतु बैंच संख्या 01, मोटर दुर्घटना दावा आधिकरण हेतु बैंच संख्या 02, न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटु के प्रकरणों हेतु बैंच संख्या 03, प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों हेतु बैंच संख्या 04 गठित की गई है, इसी प्रकार सैंपऊ मुख्यालय हेतु न्यायिक मजिस्ट्रेट सैंपऊ की बैंच संख्या 05 गठित की गई है, बैंच संख्या 6 प्रो-बोनो न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट धौलपुर, न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 1/2/3, जेजेबी धौलपुर के प्रकरणों की सुनवाई हेतु गठित की गई है। ताल्लुका बाड़ी मुख्यालय पर 04 बैंचों का गठन किया गया है जिसमें बैंच संख्या 01 सेशन न्यायालय एवं प्री लिटिगेशन प्रकरणों हेतु, बैंच संख्या 02 मजिस्ट्रेट न्यायालयों बाड़ी हेतु गठित की गई है एवं बैंच संख्या 03 न्यायिक मजिस्ट्रेट बसेडी के लिए गठित की गई है एवं बैंच संख्या 04 न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट सरमथुरा के लिए गठित की गई है। ताल्लुका राजाखेड़ा मुख्यालय हेतु बैंच संख्या 01 न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट राजाखेड़ा के लिए गठित की गई है। सचिव रेखा यादव ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु धौलपुर जिले में विभिन्न न्यायालयों में लंबित 5667 प्रकरणों को चिन्हित किया गया। धौलपुर जिले में स्थित विभिन्न न्यायालयों में राजीनामा योग्य फौजदारी प्रकरण 589 एन.आई.एक्ट के 34 राशि 3389860 धन वसूली के 8 राशि 347018 प्रकरण, अन्य सिविल मामले 20 राशि 71976 एम.ए.सी.टी के 54 राशि 38685854 वैवाहिक विवाद 21, भरण-पोषण 110, राशि 2948250 जनउपयोगी सेवाओ संबंधी विवाद 13, उपभोक्ता फोरम के 8 राशि 1825000 समस्त राजस्व मामले 2977 निरोधात्मक कार्यवाही के 657 इस प्रकार कुल 4491 लंबित मामलों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जाकर कुल 47267958/- रूपये राशि का अवार्ड पारित किया गया। इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन के बैंक ऋण, टेलिफोन बिल के विवाद व अन्य सिविल विवाद के कुल 2081 प्रकरण निस्तारित किये गये।

पारिवारिक न्यायालय धौलपुर के एक प्रकरण के दोनों पक्षकारों (पति-पत्नि) के मध्य शादी के बाद ही मन-मुटाव चालू हो गया। उक्त दम्पत्ति के मध्य लोक अदालत की भावना से पक्षकारों के मध्य समझाइश कराई गई। समझाइश सफल रही जिसके फलस्वरूप दंपत्ति ने पुनः एक साथ रहने के लिए राजी हुए तथा उन्हें बैंच के समक्ष दम्पत्ति को माला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर उनके सुखमय भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं, जिसके लिए पक्षकारों ने लोक अदालत बैंच का आभार व्यक्त किया।एमएसीटी न्यायालय धौलपुर के एक प्रकरण में प्रकरण एमएसी नं. 227/2024 हेतराम बगैरा बनाम नितिन बगैरा था जिसमें मृतक हरेन्द्र सिंह मथुरिया की मृत्यु बाबत क्षतिपूर्ति राशि हेतु उसके परिवारीजन हेतराम द्वारा यह क्लेम याचिका दर्ज हुई। आज दिनांक 10.05.2025 को लोक अदालत के माध्यम से बीमा कंपनी व प्रार्थीगण के अधिवक्ता के मध्य आपसी सहमति से राजीनामा किया जाकर प्रकरण में 40,00,000/- रू का अवार्ड पारित किया जाकर निस्तारण किया गया। जिसके लिए पक्षकारों ने लोक अदालत बैंच का आभार व्यक्त किया। लोक अदालत के दौरान न्यायिक अधिकारीगण स्थाई लोक अदालत धौलपुर श्री सुरेश प्रकाश भट्ट, न्यायाधीश एमएसीटी धौलपुर प्रीति नायक, सचिव डीएलएसए रेखा यादव, शैला फौजदार अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट धौलपुर, सुमन मीणा न्यायिक मजिस्ट्रेट धौलपुर, साधना शर्मा उपखंड अधिकारी धौलपुर, धौलपुर अभिभाषक संघ अध्यक्ष प्रशांत हुण्डावाल, अधिवक्तागण अरुण राणा, ममता गोस्वामी, रंजीत सिंह, मुकेश सिकरवार, सर्वेश मिश्रा, प्रमोद शर्मा, दीपक सिकरवार, स्थाई लोक अदालत के सदस्य अधिवक्तागण वीरेंद्र उपाध्याय, रामदत्त श्रोती आदि उपस्थित रहे।

जोधपुर में 'लॉकडाउन' जैसे हालात, बाजार अगले आदेश तक बंद, राशन-पेट्रोल का स्टॉक करने लगे लोग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

राजस्थान के जोधपुर जिले में अगले आदेश तक सभी बाजार बंद कर दिए गए हैं. लोगों को घर में रहने की सलाह दी जा रही है. एक साथ ग्रुप में निकलने पर रोक लगाई गई है. अभी इसी वक्त से जिले में होने वाले सभी सामूहिक आयोजन या समारोह पर पाबंदी लगा दी गई है. मुख्य चौराहों से लेकर हर गली में पुलिसकर्मी गश्त कर रहे हैं. पुलिस की गाड़ी के सायरन की आवाज रुकने का नाम नहीं ले रही है. माइक से लगातार सतर्क को लेकर अनाउंस किया जा रहा है. जिले में ये हालात 'लॉकडाउन' जैसे हैं, जहां प्रशासन जनता से सहयोग करने की अपील कर रही है.

पेट्रोल पंप पर लगी लंबी लाइनें

जिला प्रशासन के इस फैसले के बाद पेट्रोल-पंप पर वाहनों की लंबी लाइनें लग गई हैं. लोग राशन और सब्जियां खरीदने के लिए दुकानों पर पहुंच रहे हैं. जिले में 'लॉकडाउन' जैसे हालात कब तक रहेंगे, इसके बारे में पता नहीं है. इसीलिए सभी लोग घर में जरूरी सामान का स्टॉक कर रहे हैं, ताकि आपातकालीन स्थिति में उन्हें या उनके परिजनो को किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो. जोधपुर में इस वक्त रेड अलर्ट जारी है. पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई में किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' से पाकिस्तान छटपटाया हुआ है और पलटवार करते हुए भारत के सैन्य ठिकानों पर ड्रोन व मिसाइल से हमला कर रहा है. हालांकि भारत का डिफेंस सिस्टम पिछले तीन दिनों से पाकिस्तान की हर कोशिश को नाकाम करते हुए हवा में ही उन ड्रोन व मिसाइलों को निष्क्रिय कर दे रहा है. कल रात भी पाकिस्तान ने ऐसी ही नाकाम कोशिश की थी, जिसमें भारतीय सेना की तरह से जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कुछ एयरबेस को तवाब कर दिया गया है. बताया जा रहा है कि पाकिस्तान इन्हीं एयरबेस से भारत पर ड्रोन स्ट्राइक कर रहा था. राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस वक्त जयपुर स्थित चीफ मिनिस्टर ऑफिस में सर्वदलीय बैठक कर रहे हैं. इसमें राज्य के डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस विधायक रफीक खान, बसपा विधायक मनोज न्यांगली, रश्ठ विधायक डॉ सुभाष गर्ग, सरकारी मुख्य सचेतक जागेश्वर गर्ग और मंत्री जोगाराम पटेल भी शामिल हुए हैं.

मकराना में माताभर रोड पर शराब ठेके का विरोध

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नागौर

डीडवाना-कुचामन जिले के मकराना में माताभर रोड पर वार्ड 43 और 45 में शराब ठेके का लोगों ने विरोध जताया है। दोनों वार्ड के लोगों ने पार्षद सिराज सिद्दीकी और नसीम बानो के नेतृत्व में बाइक रैली निकाली, हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी की और उपखंड अधिकारी अंशुल सिंह को ज्ञापन सौंपकर शराब का ठेका तुरंत हटाने की मांग की। लोगों ने कहा कि शराब का ठेका नहीं हटा तो भूख हड़ताल की जाएगी। उपखंड अधिकारी को दिए ज्ञापन में कहा गया है कि वार्ड 43 व 45 के वार्डवासियों का कहना है कि दोनों वार्ड की जनता की भावनाओं को अनदेखा कर बिना सर्वे के शराब ठेका खोला गया है। इस क्षेत्र में मदरसा खदीजा मस्जिद, बाबा रामसापीर का मंदिर, खानकाह-ए-फसाहती मस्जिद, शीतला माता मंदिर, मस्जिद-ए-कादरी समेत कई प्राइवेट स्कूल आदि धार्मिक व शैक्षणिक संस्थाएं हैं। इसलिए जल्द ही शराब ठेका नहीं हटाया गया तो भूख हड़ताल की जाएगी। विरोध-प्रदर्शन के दौरान बाइक रैली में युवा और महिलाएं शामिल रहे। पार्षद सिराज सिद्दीकी ने कहा कि यह ठेका जनता की भावनाओं के खिलाफ है। प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, वरना उग्र आंदोलन के लिए तैयार रहें। नसीम बानो ने भी प्रशासन से अपील की कि वह जनता की मांगों को गंभीरता से लें। उपखंड अधिकारी अंशुल सिंह ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

भारतीय सेना के सम्मान में निकाली तिरंगा रैली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

कोटा में शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से भारतीय सेना के जांबाज सैनिकों के सम्मान में गुमानपुरा इलाके में तिरंगा रैली निकाली गई शहर अध्यक्ष रविंद्र त्यागी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के द्वारा यह तिरंगा रैली निकाल गई। कांग्रेसी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने रैली की शुरुआत कांग्रेस कार्यालय से सभा भवन तक की रैली में भारत के तिरंगे झंडे को लेकर सभी लोग भारत माता की जय भारतीय सेना जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रविंद्र त्यागी ने बताया कि पहलगांव में आतंकवादियों के द्वारा हमारे भारतीय लोगों पर कायराना हमला किया वहां घूमने आए पर्यटकों को गोली मारकर हत्या कर दी, इसका मुंह तोड़ जवाब हमारे देश की तीनों सेनाओं ने दिया है। भारत के वीर सैनिकों के द्वारा पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए। इस प्रकार अब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को भी भारतीय सीमा में शामिल करने का समय आ चुका है।

बाड़मेर शहर की यात्रा न करें, रेड अलर्ट के बाद कलेक्टर टीना डाबी ने की लोगों से अपील

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाड़मेर

पाकिस्तान की तरफ से संभावित हमले की आशंका के चलते राजस्थान के बाड़मेर जिले में रेड अलर्ट जारी किया गया है. इस वजह से कलेक्टर टीना डाबी ने लोगों से बाड़मेर शहर की यात्रा न करने की अपील की है. शनिवार सुबह 10 बजकर 41 मिनट पर बाड़मेर डीएम के आधिकारिक एक्स हैंडल से एक पोस्ट शेयर की गई है, जिसमें लिखा है- 'जरूरी सूचना! जिले के जो भी व्यक्ति गांव या कस्बे में हैं और वो बाड़मेर शहर की तरफ यात्रा करना चाहते हैं, उन सबसे अनुरोध है कि कृपया बाड़मेर शहर की यात्रा न करें. बाड़मेर के लिए रेड अलर्ट है. इसलिए अपनी यात्रा को तुरंत प्रभाव से स्थगित करें.' सोशल मीडिया पर इस पोस्ट से पहले कलेक्टर टीना डाबी ने बाड़मेर शहर के बाजारों को अगले आदेश तक बंद रखने का आदेश जारी किया है. इसके साथ ही जनता से अपील की गई है कि वे बहुत जरूरी काम होने पर ही सड़कों से बाहर निकलें. जितना कम हो सके, सड़कों पर मूवमेंट न करें. इन आदेशों की पालना कराने के लिए बाड़मेर एसपी खुद फील्ड में उतर गए हैं. उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि जो भी शख्स इस आदेश का पालन नहीं करेगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. लोगों को जागरूक करने के लिए फिलहाल प्रशासन की तरफ से शहर की सड़कों पर लाउडस्पीकर से जानकारी साझा की जा रही है. ज़िले के जो भी व्यक्ति गाँव या क़स्बे में हैं और वो बाड़मेर शहर की तरफ़ यात्रा करना चाहते हैं, उन सबसे अनुरोध है कि कृपया बाड़मेर शहर की यात्रा न करें। बाड़मेर के लिए रेड अलर्ट है, इसलिए अपनी यात्रा को तुरंत प्रभाव से स्थगित करें। बताते चलें कि शुक्रवार देर रात पाकिस्तान के ड्रोन से बाड़मेर के सैन्य ठिकानों पर हमला किया था, जिसे भारतीय सेना के डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया था. सेना की इस कार्रवाई के बाद ड्रोन से सीधा नीचे जमीन पर आ गिरे थे, जिसका मलबा आज अलग-अलग जगहों से बरामद किया जा रहा है. ऐसा ही एक अवशेष बाड़मेर के बलदेव नगर इलाके में रहवासी घर के गिरा था, जिसको लेकर आसपास के रहवासी लोगों में कौतूहल का माहौल है.

तेज रफ्तार कार ने महिला और 4 बच्चों को रौंदा, 10 फीट तक घसीटता ले गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

कोटा में एक तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर बैठी एक महिला और पास में खड़े 4 बच्चों को रौंद दिया। हादसे में महिला के सिर में चोट लगी, जबकि चारों बच्चे भी बुरी तरह घायल हो गए। घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। हादसा 8 मई को अनंतपुरा थाना क्षेत्र के रंगबाड़ी स्थित अजय आहूजा नगर में हुआ। यह पूरा हादसा सामने एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। हादसे का सीसीटीवी फुटेज 10 मई को सामने आया है। अजय आहूजा नगर निवासी बंटी ने बताया- 8 मई की रात 9 बजे करीब मां इंद्रा बाई (55) मकान के बाहर बैठी थी। घर के सामने भतीजा विवान (7) और भतीजी यशिका (11) खेल रहे थे। उनके साथ पड़ोसी के बच्चे वैशाली (8) और उसकी चचेरी बहन अनिशा (10) भी थी। बच्चे साइकिल चला रहे थे। इसी दौरान एक साइकिल की चेन उतर गई। इस पर मां इंद्रा बाई साइकिल की चैन ठीक करने लगी। बंटी ने बताया- इस दौरान एक तेज रफ्तार कार ने सभी को रौंद दिया और 10 फीट दूर तक घसीटता ले गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी बाहर निकले। उन्होंने गाड़ी के ड्राइवर को पकड़ा और पिटाई कर दी। हादसे में मां इंद्रा बाई समेत चारों बच्चे घायल हो गए। बंटी ने बताया- मां, भतीजे और भतीजी को विज्ञान नगर स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। भतीजी यशिका के हाथ और सिर में चोट लगी है। आज उसके हाथ का 5 घंटे ऑपरेशन चला है। मां इंद्राबाई के सिर में गंभीर चोट लगी है। उनका भी ऑपरेशन होगा। विवान के हाथ, नाक और मुंह पर गंभीर चोट है। पड़ोसी बच्चों वैशाली (8) का हाथ फ्रैक्चर हुआ है और पीठ में भी चोट लगी है, जबकि अनिशा (10) के हाथ-पैर में चोट आई है। घमंडी लाल ने बताया- घायल महिला इंद्रा बाई के बेटे बंटी राठौड़, हेमंत राठौड़ और पड़ोसी मनोज मेहरा ने शिकायत दी है। इनमें मुख्य शिकायतकर्ता हेमंत राठौड़ हैं।

मदर्स डे पर विशेष

अपने बच्चों को हमेशा पलकों की छांव में रखने वाली मां आज भी यही चाहती है कि उसके बच्चों पर किसी बुरे व्यक्ति का साया न पड़े। उसे अपने आंचल में छुपा कर रखती है। बच्चों को अच्छे-बुरे का पहला ज्ञान तो वही देती है।

घर की पाठशाला की पहली गुरु

मां को गुरु दर्जा यों ही नहीं मिला। बच्चों को अनुशासन का पहला पाठ वही तो पढ़ाती है। नवजात के जन्म से लेकर नर्सरी में जाने तक मां वस्तुतः एक आदर्श पुरुष या नारी को ही तैयार कर रही होती है। अक्षर ज्ञान से लेकर रंगों का ज्ञान, प्रकृति से रूबरू कराने से लेकर अपने आसपास के बारे में इस तरह बताती-सिखाती चलती है कि बच्चा जब घुटनों के बल खड़ा होता है या दौड़ता है तो वह अपनी मां की नसीहतों को अवचेतन में रखता है। नसीहत देने की आदत मांओं की पुरानी आदत रही है। अब इसमें भी बदलाव आया है। हालांकि बेटियां आज भी अपनी मां से सलाह लिए बिना कभी कोई कदम नहीं उठाती। मगर बेटे अब बदल रहे हैं।

बच्चों की आकांक्षाओं को
उड़ान देती सुपर मॉम

बदल रही है मां की भूमिका

बच्चों को अपने आंचल से बांधे रखने का दौर अब खत्म हो चुका है। ज्यादातर आधुनिक मांएं इस बात को समझ चुकी हैं कि नसीहत देने से अच्छा है कि बच्चों की वे मार्गदर्शक बनें। वे अपने बेटे-बेटियों को ज्ञान के पंख देकर उन्हें उड़ान भरने देना चाहती हैं। कामकाजी ही नहीं, घरेलू महिलाएं भी बच्चों के कॅरियर की चिंता करती हैं। बच्चे पांचवी क्लास पार करते हैं तो उन्हें मांएं कुछ बनने की प्रेरणा देना शुरू कर देती हैं।

माताओं में बढ़ता आत्मविश्वास

कम पढ़ी-लिखी मांओ में भी इन दिनों गजब का आत्मविश्वास देखा जा सकता है। वे हर हाल में बच्चों को पढ़ाना चाहती हैं। खुद नहीं पढ़ा सकतीं तो ट्यूटर रख लेती हैं। कभी-कभार स्कूल जाकर बच्चे की प्रगति रिपोर्ट भी ले लेती हैं। परवरिश में कोई कसर नहीं छोड़ती। पिता बेशक सुबह बिस्तर पर सोया रहे। मगर यह मां ही है, जो बच्चे को उठाकर स्कूल के लिए तैयार करती हैं। उनका बस्ता ठीक करने से लेकर लंच बाक्स तक तैयार करती हैं। यहीं नहीं उन्हें स्कूल वैन तक में बैठाती हैं। कुछ मांएं तो स्कूल तक छोड़ने जाती हैं। चाहे वे रिक्शे पर ले जाएं या फिर अपनी कार में। बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए कई मांओ ने अपने कॅरियर तक की परवाह नहीं की। ऐसी कई मिसाल हैं जिनमें महिलाओं ने बच्चों का भविष्य बनाने के लिए अपने भविष्य को दांव पर लगा दिया।

भारतीय माताएं सबसे सजग

दुनिया भर में भारतीय मांएं सबसे सजग हैं। उनमें लगातार बदलाव आ रहा है। अगर कोई महिला कामकाजी नहीं भी है तो भी वह अपने बच्चों के भविष्य के लिए उतनी ही चिंतित हैं। वह उतनी ही व्यस्त हैं जितनी कोई कामकाजी महिला। अगर वह थोड़ी भी पढ़ी लिखी है तो वह अखबारों से न्यूज चैनलों से ज्ञान हासिल कर रही है। यहां तक कि वह इंटरनेट खंगाल कर भी बच्चों के बारे में नई जानकारी हासिल करने के साथ उन्हें नवीनतम सूचनाएं दे रही हैं। वह अब दूसरों से राय नहीं लेतीं, वह सूचना तंत्र से अपनी राय खुद बना रही हैं।

अब दीन-हीन नहीं है मां

एक जमाना था कि पिता ही बच्चों के भविष्य का निर्णय करते थे। अनुशासन का डंडा उन्हीं का चलता था। पिता डाक्टर हो तो वह बच्चों को भी अपने जैसा बनाने की जिद पाल लेता था। और मांएं दरवाजे पर खड़ी सिर पर आंचल डाले चुपचाप सुनती रहती थीं। लेकिन अब ऐसा नहीं है। वह हस्तक्षेप करती हैं, क्योंकि वह बच्चों की क्षमता के बारे में अपने पति से ज्यादा जानती हैं। आखिर नर्सरी से लेकर हायर सेकेंडरी तक बच्चों को तैयार करने में उसकी भी कुछ भूमिका रही है। स्कूल की डायरी पढ़ने से लेकर वह होमवर्क भी तो कराती रही हैं। वह दीन-हीन कैसे हो सकती हैं? उसकी बात भी क्यों नहीं सुनी जानी चाहिए। फिल्म तारे जमीन पर में वह बच्चा मुसीबत में आखिर मां को ही पुकारता है क्योंकि पिता उसकी दित तो समझता नहीं।

सहेली भी दोस्त भी

बच्चों के साथ मां का इतना गहरा रिश्ता होता है कि वह उनके बड़े होने पर बेटी की सहेली या बेटे की दोस्त जैसी हो जाती है। बेटे बताएं या न बताएं मगर बेटियां हर बात मां को बताती हैं क्योंकि उनके जीवन में कोई विश्वसनीय है तो सिर्फ वही। यह एक ऐसा भावनात्मक रिश्ता है जो सिर्फ मां से ही बन पाता है। भारतीय समाज के हर वर्ग में इस रिश्ते की सुगंध को आप महसूस कर सकते हैं। रिश्ते में परम्परा का बोध आज भी है मगर जीवन में आधुनिकता आने के साथ मांएं बच्चों को आंचल में छुपाए रखने की बजाय इस छांव से बाहर निकाल कर जीवन की दौड़ में आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही हैं। इसलिए क्योंकि वह जानती हैं बेटा एक कदम भी बढ़ाएगा तो वह उसके पीछे खड़ी है। अगर गलत दिशा में गया तो भी वह उसे रोक लेगी क्योंकि वह एक सुपर मॉम है।

रिश्ते तो बहुत हैं
मां सिर्फ एक है

अपनी मां के परिश्रम और लगन की गाथा बताते हुए नीतू अग्रवाल भावुक हो उठीं। उनके शब्द थे बागों में फूल बहुत हैं लेकिन गुलाब एक है, रिश्ते बहुत हैं लेकिन मां सिर्फ एक है।

मां की ममता को किसी परिभाषा में बांधना मुश्किल है। श्रीमती विमलेश श्रीवास्तव कहती है-दुनिया में आने के बाद बच्चा सबसे पहले मां को ही पहचानता है और उसके मुंह से निकलने वाला पहला शब्द मां ही होता है।

मदर्स डे पर बच्चों की भावनाएं चरम पर होती है। कोई मां के साथ अपने रिश्ते को खूबसूरत कविता के रूप में बयान करता है तो किसी के लिए मां के प्रति प्यार के इजहार के लिए शब्दों की सीमा नाकाफी होती है। अपनी मां के परिश्रम और लगन की गाथा बताते हुए नीतू अग्रवाल भावुक हो उठी। उनके शब्द थे बागों में फूल बहुत हैं लेकिन गुलाब एक है, रिश्ते बहुत हैं लेकिन मां सिर्फ एक है।

प्रेमलता सरीन (योग प्रशिक्षिका) के अनुसार धरती की तरह मां भी अपने जीवन में बच्चों का सुरक्षा कवच बनती है। मां की ममता को किसी परिभाषा में बांधना मुश्किल है। श्रीमती विमलेश श्रीवास्तव कहती है-दुनिया में आने के बाद बच्चा सबसे पहले मां को ही पहचानता है और उसके मुंह से निकलने वाला पहला शब्द मां ही होता है।

कमलेश बेरी अपनी अनुभूति कविताओं में व्यक्त करते हैं-मां है प्रीत, मां है मीत, नेह का सागर मां ही है, मां है प्रकाश, मां है आकाश, जीवन की भोर मां ही है...। कार्मल कान्वेंट स्कूल की नन्ही छात्रा प्रज्ञा मालवीय ने कहा,भगवान हर जगह हमारे साथ नहीं रह सकते इसलिए उन्होंने मांह के रूप में अपनी सबसे प्यारी छवि को हमारे पास भेजा है। ज्योति जोशी भावुक शब्दों में कहती है, मुझे अपनी मां का साथ जिंदगी की कड़ी धूप में शीतल छाया की तरह लगता है। मेरी हर समस्या का इलाज मेरी मां के पास है चाहे अचार डालना हो या कोई पकवान बनाना हो या फिर कोई भी व्यक्तिगत उलझन,मेरी हर परेशानी मां के पास जाकर खत्म हो जाती है। मेरी मां कहती है कि जो भी स्थिति आए रोने या कमजोर होने के बजाए उसका सामना दृढ़ता के साथ करो। आशा साहू बताती है, मैंने असमय मौत का शिकार हुई अपनी जेठानी के बच्चों की मां बनकर सर्वप्रथम मातृत्व को महसूस किया और फिर अपने बच्चों के साथ ही जेठानी के बच्चों को भी मां की कमी महसूस नहीं होने दी। आज मुझे बच्चों व नाती-पोतों के भरे-पूरे परिवार की सदस्य के रूप में गर्व का अहसास होता है। संध्या रामकृष्ण बायवार के शब्द कविता में कुछ यूं ढले- मां की महिमा क्या गाऊं, मां की कहानी क्या सुनाऊं, हे मां तू है महान, तूने हमको जन्म दिया, मिले हर जन्म में तेरी को,मां तुझे सलाम।

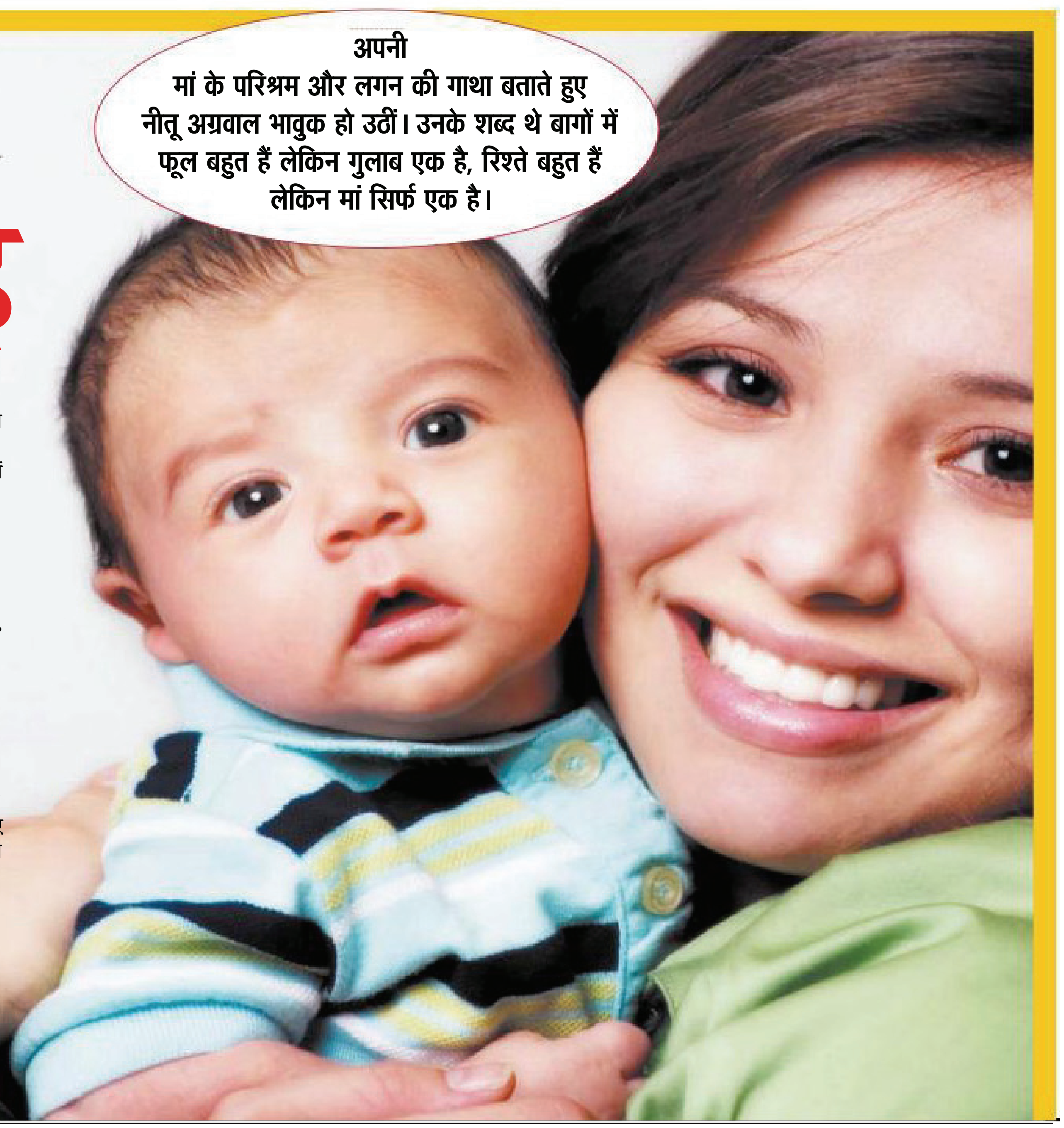

तुरंत मिल सकता है 20 हजार रुपये का लोन, पे-स्लिप भी जरूरी नहीं

सुझाव | बिजनेस डेस्क

कभी-कभी जिंदगी में अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है। कोई मेडिकल इमरजेंसी, घर में कोई परेशानी या जरूरी खर्च, लेकिन अगर आपकी कोई सैलरी नहीं है, तो लोन मिलना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में आदमी परेशान हो जाता है। हालांकि ऐसी स्थिति में भी आपको घबराना नहीं चाहिए, बल्कि सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि आज कई डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को भी लोन दे रहे हैं, जिनके पास सैलरी स्लिप नहीं है। यानी अगर आप पारंपरिक नौकरीपेशा नहीं हैं, तब भी 20,000 रुपये तक का लोन बड़ी आसानी से आपको मिल सकता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि आप कैसे बिना सेलरी स्लिप के भी बड़े आराम से 20000 रुपये तक का लोन लेकर अपने खर्च को चला सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा परेशान होनी की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ आपको अपना क्रेडिट स्को मेंटेन करना है। लोन के लिए क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होना जरूरी है। यह आपके लोन चुकाने की क्षमता को दर्शाता है।

लोन लेने से पहले ध्यान दें

क्रेडिट स्कोर

लोन के लिए क्रेडिट स्कोर बहुत जरूरी होता है। यह 300 से 900 के बीच का एक नंबर होता है, जो आपकी लोन चुकाने की क्षमता बताता है। अगर आपका स्कोर 750 से ऊपर है, तो बिना सैलरी स्लिप के भी लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

इनकम प्रूफ

अगर आप खुद का बिजनेस करते हैं या फ्रीलांसर हैं, तो इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर), बैंक स्टेटमेंट या इनकम सर्टिफिकेट से अपनी आमदनी दिखा सकते हैं।

गारंटर या गिरवी

अगर आपके पास सैलरी नहीं है, तो कुछ बैंक या लेंडर गारंटर या कोई संपत्ति गिरवी रखने पर लोन दे सकते हैं। गारंटर की स्थायी इनकम आपके लोन अप्रूवल में मदद कर सकती है।

सिक्योर्ड लोन विकल्प

अगर आप कोई गहना या अन्य संपत्ति गिरवी रखते हैं, तो सिक्योर्ड लोन लेना आसान हो सकता है। इससे लेंडर को भरोसा होता है कि लोन वापस मिलेगा।

पुराने लेंडर से संबंध

अगर आपने पहले किसी लेंडर से लोन लिया है और समय पर चुकाया है, तो वह आपको दोबारा आसानी से लोन दे सकता है – भले ही सैलरी स्लिप न हो।

को-अप्लिकेंट के साथ लोन लें

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ लोन अप्लाई करते हैं जिसकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी हो, तो लोन मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

जरूरी डॉक्युमेंट्स

■ **केवाईसी डॉक्युमेंट्स** : आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि ■ **पते का प्रमाण** : बिजली बिल, रेंट एग्रीमेंट, राशन कार्ड ■ **वैकल्पिक इनकम प्रूफ** : बैंक स्टेटमेंट, आईटीआर, या बिज़नेस से जुड़ा कोई दस्तावेज ■ लोन अप्लाई करने का प्रोसेस ■ सभी डॉक्युमेंट्स तैयार रखें ■ केवाईसी पते का प्रमाण और इनकम प्रूफ साथ रखें ताकि प्रोसेस जल्दी हो सके।

एलिजिबिलिटी चेक करें

लोन अप्लाई करने से पहले बैंक या ऐप पर अपनी योग्यता चेक करें। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी और लोन मिलने में आसानी भी होगी।

लोन अमाउंट और अवधि तय करें

ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल करके देखें कि 20,000 रुपये का लोन कितनी ईएमआई में चुकाया जा सकता है। इससे आपकी योजना मजबूत बनेगी।

क्या कहते हैं जानकार

बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी को इमरजेंसी में पैसों की जरूरत है, तो बैंक से मदद ली जा सकती है। उनका कहना है कि बैंक तात्कालिक जरूरतों के लिए टेम्परारी ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, ग्राहक पर्सनल लोन भी ले सकते हैं।" पर्सनल लोन पर ब्याज दर 10% से 24% सालाना तक हो सकती है, जो हर बैंक में अलग-अलग होती है। इसकी अवधि आमतौर पर 1 साल से 3 साल तक हो सकती है।

चांदी का वॉल्यूम 313 करोड़ रुपये पर पहुंचा, इस गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग जबरदस्त बढ़ी

लगातार चमक रही चांदी, इसके आगे सोना फेल, सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुना तेजी आई

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- ईटीएफ एक आकर्षक निवेश का विकल्प बन रहे
- बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती
- निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे

फिजिकल गोल्ड में निवेश करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, और इसके साथ ही यह जागरूकता भी बढ़ रही है कि खरीदे गए सोने की शुद्धता की जांच जरूरी है। लोग अब जांच परख के बाद ही सोना खरीद रहे हैं।

इस साल चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। चांदी की रफ्तार के आगे सोना भी फेल हो गया। हालांकि सोने ने भी इस अपना सर्वकालिक उच्च सतर हासिल किया है, लेकिन देखा जाए तो चांदी सोने से काफी आगे निकली है। इस साल सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुण तक की तेजी देखने को मिली है। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, पूरे इंडस्ट्री का कुल वॉल्यूम लगभग 2.9 गुना बढ़कर 644 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 224 करोड़ रुपये पर था। इस तेज बढ़त से यह साफ है कि त्योहारों के मौके पर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। स्थानीय निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में सिल्वर ईटीएफ निवेश का सबसे बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ में बीते एक साल में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। 30 अप्रैल 2025 तक इनका ट्रेडिंग वॉल्यूम 130 करोड़ से 2.5 गुना बढ़कर 331 करोड़ हो गया। हालांकि, सिल्वर ईटीएफ की बात करें तो इसने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसका वॉल्यूम 95 करोड़ से 3.3 गुना की जबरदस्त ग्रोथ लेकर 313 करोड़ पहुंच गया। ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से सिल्वर ईटीएफ इस साल का सबसे तेज ग्रोथ देने वाला सेगमेंट बन गया। इसने इस मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया।

ईटीएफ में तेजी की वजह

सुविधा

ट्रेडिंग वॉल्यूम में आई इस तेज बढ़ोतरी के पीछे कई अहम कारण हैं। जैसे निवेशकों को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए अब उसकी शुद्धता या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता नहीं करनी पड़ती। ईटीएफ को शेयर की तरह ही डिमैट अकाउंट के जरिए खरीदा-बेचा जा सकता है। इससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती और इसे खरीदना और बेचना बेहद आसान है। इसमें एसआईपी की तरह ही निवेश किया जा सकता है।

लागत में बचत

फिजिकल गोल्ड खरीदने पर मेकिंग चार्ज, स्टोरेज खर्च और शुद्धता का जोखिम जुड़ा होता है। इसके मुकाबले ईटीएफ में लेनदेन की लागत कम होती है और बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती। इसलिए यह निवेश का एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आ रहा है और निवेशकों को मालामाल कर रहा। इसलिए इस सेगमेंट में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

निवेशकों की रुचि

पारंपरिक रूप से अक्षय तृतीया पर फिजिकल गोल्ड की बिक्री में तेजी देखने को मिलती है। अब यही रुझान एक्सचेंज पर भी नजर आ रहा है। इंडस्ट्री लेवल पर गोल्ड ईटीएफ का टर्नओवर सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा है, जबकि सिल्वर ईटीएफ का टर्नओवर 3.3 गुना बढ़ा है। सिल्वर की तेज बढ़त यह संकेत देती है कि निवेशक अब सिर्फ गोल्ड तक सीमित नहीं हैं और पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन की ओर बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए बता दें कि वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का औसत डेली वॉल्यूम, कुल ईटीएफ टर्नओवर का लगभग 60% था। यह दर्शाता है कि इन प्रोडक्ट्स की पकड़ भारतीय बाजार में लगातार मजबूत हो रही है।

लोअर इम्पैक्ट कॉस्ट्स भी ईटीएफ को बना रहे आकर्षक

अक्षय तृतीया के दिन इंडस्ट्री-वाइड आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में औसत इम्पैक्ट कॉस्ट 20 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) रही। हालांकि, कुछ प्रमुख ईटीएफ में यह लागत सिर्फ 2 बीपीएस तक ही रही। सिल्वर ईटीएफ में औसतन इम्पैक्ट कॉस्ट 32 bps रही, लेकिन सबसे ज्यादा लिक्विड ईटीएफ में यह घटकर लगभग 3 बीपीएस तक आ गई। हाई लिक्विडिटी से ईटीएफ अपने अंडरलाइन एसेट प्राइस को बेहतर तरीके से ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों को ज्यादा सटीक एक्सपोजर मिलता है।

क्या पोर्टपोलियो में गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ शामिल करना चाहिए

हालांकि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इनकी भूमिका पोर्टफोलियो में एकदम खास होती है। वैल्यू रिसर्च इसे विस्तार से समझाता है।

■ डाइवर्सिफायर (विविधता लाने वाले एसेट): ऐतिहासिक रूप से गोल्ड और सिल्वर का इक्विटी मार्केट से कम संबंध होता है। इस वजह से ये पोर्टफोलियो में जोखिम को कम करने में मददगार साबित होते हैं।

■ बेशकीमती धातु (प्रेशियस मेटल्स): आमतौर पर महंगाई बढ़ने या भू-राजनीतिक तनाव के समय बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, ये एसेट ग्रोथ देने वाले प्रमुख निवेश विकल्प नहीं माने जाते।

■ लॉन्ग टर्म में इक्विटी ने गोल्ड और सिल्वर दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, पिछले एक दशक में गोल्ड ने औसतन 7-8% सालाना रिटर्न दिया है, जबकि इक्विटी मार्केट ने करीब 12-14% सालाना रिटर्न दिया है।

■ सिल्वर की बात करें तो उसमें थोड़ा अलग ट्रेंड देखा जाता है, क्योंकि यह आंशिक रूप से एक इंडस्ट्रियल मेटल भी है। इसलिए इसकी कीमतें मैन्युफैक्चरिंग डिमांड और निवेशकों की धारणा दोनों से प्रभावित होती हैं। यही वजह है कि सिल्वर ईटीएफ थोड़े ज्यादा वोलाटाइल हो सकते हैं, लेकिन जो निवेशक जोखिम समझते हैं उनके लिए यह एक दिलचस्प डाइवर्सिफायर बन सकता है।

समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें

पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां को दे सकते हैं कुछ खास तोहफे

जानकारी | बिजनेस डेस्क

इस बार मदर्स डे पर आप अपनी मां के लिए कुछ खास प्लान कर सकते हैं। कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा, बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप अपनी मां को भेंट कर सकते हैं।

मदर्स डे यानी मां के नाम एक खास दिन। इस बार 11 मई, रविवार को हम सब अपनी मां के लिए कुछ खास करने की तैयारी में हैं। ये दिन हर उस मां के लिए समर्पित होता है जो अपने बच्चों की तरक्की के लिए बिना थके, बिना किसी उम्मीद के लगातार योगदान देती हैं। इस दिन बच्चे अपनी मां को खुश करने के लिए उन्हें सरप्राइज गिफ्ट देते हैं, बाहर खाना खिलाने ले जाते हैं या फिर घर पर खुद खाना बनाते हैं। लेकिन इस बार आप मां को कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप मदर्स डे पर अपनी मां को भेंट कर सकते हैं। अगर आप इस बार एक समझदारी भरा और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो फाइनेंशियल गिफ्ट्स पर जरूर सोचें। ये गिफ्ट्स मां को टैक्स बचाने, बेहतर रिटर्न पाने और हेल्थ कवर जैसे फायदे भी दे सकते हैं।

1. पीपीएफ (पब्लिक प्रॉविडेंट फंड)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक सुरक्षित और टैक्स बचत वाली स्कीम है, जिसमें हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इसमें खाता खुलने के तीसरे साल से छठे साल तक लोन की सुविधा मिलती है, जबकि सातवें साल से हर साल आंशिक निकासी की अनुमति भी होती है। ऐसे में यह खाता 15 साल में मैच्योर होता है, लेकिन इसे 5-5 साल के ब्लॉक में जितनी बार चाहें बढ़ाया जा सकता है। परिपक्वता के बाद बिना नया निवेश किए भी खाता चालू रखा जा सकता है और ब्याज मिलता रहेगा। खाते में जमा राशि पर आयकर की धारा 80-सी के तहत टैक्स छूट मिलती है और ब्याज पूरी तरह टैक्स फ्री होता है (धारा 10)। साथ ही, इस खाते की राशि कोर्ट के किसी आदेश से जब्त नहीं की जा सकती।

2. फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

मां को आप फिक्स्ड डिपॉजिट का गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें सालाना 6-7% ब्याज मिलता है। हालांकि ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन अगर आपकी मां वरिष्ठ नागरिक हैं और उनकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो वो फॉर्म 15जी/15एच भरकर टीडीएस से छूट ले सकती हैं। यह भी मां के लिए एक खास गिफ्ट हो सकता है।

3. हेल्थ इंश्योरेंस

अगर आपकी मां के पास पहले से एक हेल्थ पॉलिसी है, तब भी आप उन्हें एक अतिरिक्त हेल्थ कवर गिफ्ट कर सकते हैं। मान लीजिए उनके पास 5 लाख की पॉलिसी है और आप उन्हें 5 लाख रुपये की एक और पॉलिसी गिफ्ट करते हैं, तो उनका कुल मेडिकल कवर 10 लाख रुपये हो जाएगा। यह गिफ्ट मात्र 6,000 से 10,000 रुपये के बीच में मिल सकता है। इससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंता खत्म होगी।

4. सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम

अगर आपकी मां की उम्र 60 साल से ज्यादा है, तो आप उनके नाम से सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) में खाता खुलवाकर उन्हें एक शानदार तोहफा दे सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज मिल रहा है। यह योजना न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि नियमित आय का भी जरिया बन सकती है।

5. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी)

अगर आप मां को इस बार सोना गिफ्ट करना चाहते हैं, तो फिजिकल गोल्ड की जगह सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करें। इसमें सोने की कीमत के साथ ब्याज भी मिलता है। यह निवेश न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि लंबे समय में अच्छा रिटर्न भी देता है।

घर की रजिस्ट्री में पत्नी का भी नाम डालें, 3 लाख तक की बचत होगी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रियल एस्टेट में निवेश कर टैक्स बचाना चाहते हैं तो आप मकान की रजिस्ट्री में पत्नी का नाम भी डालें। इससे आप तीन लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। अक्सर कहा भी जाता है कि रियल एस्टेट निवेश के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के चलते हाउसिंग सेक्टर कुछ साल से अच्छी ग्रोथ भी देख रहा है। इस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2016 में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) स्थापित की थी। इसका उद्देश्य रियल एस्टेट में पारदर्शिता लाना, जवाबदेही तय करना, दक्षता बढ़ाना और घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। इससे निवेशकों के बीच रियल एस्टेट को लेकर भरोसा बढ़ा है। इस सेक्टर में निवेश करके आप खुद के घर का सपना भी पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही न सिर्फ अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, बल्कि आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत टैक्स बेनिफिट्स भी ले सकते है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ तरीके, जिससे आप निवेश के साथ टैक्स भी बचा पाएंगे और अपने घर के साथ -साथ अच्छा मुनाफा व बचत भी कर पाएंगे। ये टिप्स आपके लिए बेहद जरूरी हो सकते हैं।

स्टाम्प ड्यूटी की छूट

घर की कीमत पर स्टाम्प ड्यूटी लगती है। धारा 80सी के तहत इस पर आप 1.50 लाख रुपये तक छूट ले सकते हैं। यदि ड्यूटी इससे ज्यादा हो, तो दो या ज्यादा लोगों के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर सभी को समान छूट मिलेगी। यानी पत्नी के साथ मिलकर इस छूट को 3 लाख रुपये तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए मकान खरीदने के दौरान रजिस्ट्री में आप अपनी पत्नी का नाम जोड़ सकते हैं।

ब्याज पर कटौती

यदि आप मकान खरीदने के लिए लोन लेते हैं तो ऐसी स्थिति में चुकाए गए ब्याज पर इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 24 के तहत कुल आय में 2 लाख रुपये तक कटौती का लाभ ले सकते हैं। मूलधन पर भी धारा 80सी के तहत 1.50 लाख तक छूट पा सकते हैं।

एक घर बेचा, दूसरा मकान खरीदने पर छूट

यदि आप एक रेसीडेंशियल प्रॉपर्टी बेचकर दूसरा मकान खरीदना चाहते हैं, तो धारा 54 आपकी मदद करेगी। इसके तहत पुरानी प्रॉपर्टी बेचने से जितना भी प्रॉफिट हुआ, यदि उस पूरी रकम से आप कोई नई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो पुरानी प्रॉपर्टी से हुए मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। शर्त ये होगी कि बेची और खरीदी गई, दोनों प्रॉपर्टी रेसिडेंशियल ही हों। यदि आप जमीन जैसी कोई अन्य प्रॉपर्टी बेचकर तैयार मकान खरीदना चाहते हैं, तो ऐसी स्थिति में भी आयकर कानून की धारा 54एफ के तहत छूट मिलेगी। लेकिन यह कटौती समान कानून की धारा 54 के तहत मिली छूट से कम होगी।

प्रॉपर्टी न्यूनतम 24 माह होल्ड करना अच्छा

यदि आप खरीदी हुई प्रॉपर्टी को न्यूनतम 24 महीने अपने पास रखने के बाद बेचते हैं तो आपको 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होगा। यदि इससे पहले प्रॉपर्टी बेचते हैं तो आपको नॉर्मल स्लैब रेट से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ेगा।

एसआईपी निवेश ने बनाया रिकॉर्ड, लेकिन इक्विटी फंड में घटा

प्लान | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड एयूएम 70 लाख करोड़ के ऑल टाइम हाई पर

अप्रैल 2025 में भले ही शेयर बाजार में तेजी आई। एसआईपी निवेश ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशक सतर्क रहे। इसी के चलते इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रहा है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की के चलते बाजार में जारी अस्थिरता के बीच यह गिरावट आई है। हालांकि अप्रैल महीने में एसआईपी के जरिए निवेश ने रिकॉर्ड बनाया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार एसआईपी योगदान अप्रैल में 2.7% बढ़कर 26,632 करोड़ रुपये रहा, जो कि मार्च में 25,926 करोड़ रुपये था। ग्रॉस इनफ्लो अप्रैल में नई ऊंचाई पर पहुंच गया और दिसंबर 2024 के 26,459 करोड़ रुपये के आंकड़े के पार निकल गया। इक्विटी फंड में लगातार चौथे महीने निवेश में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह लगातार 50वां महीना रहा, जब म्यूचुअल फंड योजनाओं में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़

डेट फंड में 2.19 लाख करोड़ का निवेश

डेट फंड में भी अप्रैल महीने में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अप्रैल में 2.77 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 1.64 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस निवेश से इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो मार्च के अंत में 65.74 लाख करोड़ रुपये था।

इक्विटी फंड में क्यों घटा निवेश

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़ रुपये, फरवरी के 29,303 करोड़ रुपये, जनवरी के 39,688 करोड़ रुपये और दिसंबर के 41,156 करोड़ रुपये से कम है। हालांकि यह मार्च के 25,082 करोड़ रुपये की तुलना में 3.24 फीसदी की मामूली गिरावट दर्शाता है, लेकिन फ्लो का वॉल्यूम महत्वपूर्ण बना हुआ है। खासकर चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल व 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बीच।

इक्विटी फंड : किस श्रेणी में कितना निवेश

इक्विटी फंड कैटेगरीज में, फ्लेक्सी कैप फंड में अप्रैल में सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. हालांकि, इक्विटी से जुड़ी बचत योजनाओं से 372 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई. अप्रैल में मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंडों में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही, जिसमें 3,314 करोड़ रुपये और 4,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. मार्च में 2,479 करोड़ रुपये की तुलना में लार्ज-कैप फंड को 2,671 करोड़ रुपये मिले।

इसे ऐसे समझें

- **लार्जकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,479.31 करोड़ से बढ़कर 2,671.46 करोड़ रुपये
- **मिडकैप फंड्स :** इनफ्लो 3,438.87 करोड़ से घटकर 3,313.98 करोड़ रुपये
- **स्मॉलकैप फंड्स :** इनफ्लो 4,092.12 करोड़ से घटकर 3,999.95 करोड़ रुपये
- **फ्लेक्सी कैप फंड्स :** इनफ्लो 5,615 करोड़ से घटकर 5,542 करोड़ रुपये
- **मल्टीकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,752.98 करोड़ से घटकर 2,551.71 करोड़ रुपये

क्या है इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

इक्विटी फंड की मुख्य विशेषताएं

1. **इक्विटी शेयरों में निवेश:** इक्विटी फंड इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **लंबी अवधि का निवेश:** इक्विटी फंड लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं।
3. **जोखिम:** इक्विटी फंड में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

इक्विटी फंड के कुछ मुख्य फायदे

1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

स्कूल, अस्पतालों को निशाना बना रहा पाकिस्तान, भारत ने पड़ोसी देश के नापाक मंसूबो को किया बेनकाब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत सरकार ने शनिवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक विशेष ब्रीफिंग में पाकिस्तान की नापाक कोशिशों की निंदा की। पाकिस्तान ने भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों को बार-बार निशाना बनाकर तनाव बढ़ाने की कोशिश की। ब्रीफिंग में पाकिस्तान की प्रायोजित प्रचार मशीनरी पर भी निशाना साधा गया, जो झूठी अफवाहें फैला रही है। भारतीय सेना की सतर्कता से पाकिस्तान की सभी साजिशें नाकाम हो गईं। ब्रीफिंग में कहा गया कि पाकिस्तान ने जानबूझकर भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि भारत ने संयमित और सोच-समझकर आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। पाकिस्तानी फौज ने बीती रात कुछ स्वास्थ्य केंद्रों और स्कूल परिसरों को भी निशाना बनाया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पाकिस्तान के झूठ और प्रचार को बेनकाब करते हुए कहा कि उसकी सरकारी मशीनरी फर्जी कहानियां गढ़ रही है। उन्होंने लोगों से ऐसी अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने भारत की एस-400 प्रणाली और सिरसा और सूरत के हवाई अड्डों को नष्ट कर दिया। ब्रीफिंग में इसे पूरी तरह झूठ बताया गया और कहा गया, "ये सभी दावे बेबुनियाद हैं। भारत इन झूठी बातों को सिरे से खारिज करता है।" कर्नल कुरैशी ने बताया कि भारत की वायु रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तान की ओर से भेजे गए कई प्रोजेक्टाइल्स को रोक लिया। पाकिस्तान ने उधमपुर, भुज, पठानकोट और बठिंडा में सैन्य ठिकानों पर 26 से ज्यादा जगहों पर हवाई घुसपैठ की कोशिश की, लेकिन ज्यादातर हमले नाकाम रहे। पाकिस्तान ने अमृतसर के खासा कैंट पर अपनी जमीन से कई हथियारबंद ड्रोन भेजे, लेकिन भारतीय सेना की वायु रक्षा प्रणालियों ने उन्हें नष्ट कर दिया। सेना ने बयान में कहा, "आज सुबह करीब 5 बजे खासा कैंट, अमृतसर के ऊपर कई दुश्मन ड्रोन देखे गए। हमारी वायु रक्षा इकाइयों ने तुरंत कार्रवाई कर इन ड्रोनों को मार गिराया।" सेना ने पाकिस्तान की इस हरकत की निंदा करते हुए कहा, "पाकिस्तान की यह कोशिश भारत की संप्रभुता को चुनौती देना और नागरिकों को खतरे में डालना है। भारतीय सेना दुश्मन की हर साजिश को नाकाम करेगी।" बीएसएफ ने भी पाकिस्तान की नापाक हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दिया। अखनूर के सामने सियालकोट जिले के लूनी में पाकिस्तानी चौकी और आतंकी लॉन्च पैड को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया, जहां से ड्रोन हमले किए जा रहे थे। बीएसएफ ने बयान में कहा, "9 मई 2025 को रात 9 बजे से पाकिस्तान ने जम्मू सेक्टर में बीएसएफ चौकियों पर बिना उकसावे के गोलीबारी शुरू की। बीएसएफ ने इसका करारा जवाब दिया और पाकिस्तान रेंजर्स की चौकियों व संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया।" बीएसएफ ने कहा, "लूनी, सियालकोट में आतंकी लॉन्च पैड को पूरी तरह तबाह कर दिया गया।

पुंछ में पाकिस्तानी सैनिकों की गोलीबारी में एक जवान बलिदान, 2 महीने बाद रिटायर होने वाले थे सूबेदार मेजर पवन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धर्मशाला

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी गोलीबारी में शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के सिहोलपुरी टियाला के निवासी सूबेदार मेजर पवन कुमार बलिदानी हो गए। पवन कुमार जम्मू-कश्मीर के पुंछ में तैनात थे। शनिवार सुबह करीब पांच बजे सूबेदार मेजर पवन कुमार को सीमावर्ती क्षेत्र पुंछ के कृष्णाघाटी में पाकिस्तान की ओर से की जा रही भारी गोलीबारी के बीच गोली लग गई। गोली लगने के चलते वह गंभीर रूप से घायल हुए, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान वह बलिदानी हो गए। 49 वर्षीय पवन कुमार अपने पीछे माता-पिता, पत्नी व बेटा व बेटी को छोड़ गए। पवन कुमार माता किशो देवी व पिता गर्ज सिंह हैं। उनके पिता गर्ज सिंह भी पंजाब रेजिमेंट से सेवानिवृत हुए थे। पवन कुमार शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के सिहोलपुरी टियाली के रहने वाले थे। उनका बेटा अभिषेक 23 व बेटी अनामिका 22 अभी पढ़ाई कर रही है। उनके बलिदानी होने की खबर आते ही घर में मातम छा गया। मातृभूमि की रक्षा के लिए हिमाचल प्रदेश के अनेकों जांबाज सैनिकों ने प्राणों की आहुति दी है। पवन कुमार ने भी मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देकर कांगड़ा और हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से की जा रही जवाबी कार्रवाई के बीच वह जिला कांगड़ा के पहले बलिदानी हुए हैं। पवन कुमार ने अभी एक महीने पहले ही छुट्टी से वापस ड्यूटी पर गए थे। उन्होने 31 अगस्त को सेवानिवृत होना था। उनके निधन की सूचना मिलने उनके घर में शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। वहीं, उनके स्वजनों ने अपने बेटे के बलिदान पर गर्व महसूस करते हुए कहा कि उन्हें अपने बेटे पर गर्व है, जिन्होंने देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान दिया है। बलिदान की पवन कुमार की पार्थिव देह शनिवार रात को घर पहुंचेगी व रविवार को पूरे सैन्य व राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार होगा।

सैन्य इलाकों में बढ़ाई गई सतर्कता, ताज पर हाई अलर्ट, प्रतिबंधित किया गया ड्रोन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा आगरा

पाकिस्तान के साथ सीमा पर चल रहे तनावपूर्ण हालात के मद्देनजर शहर के संवेदनशील इलाकों में सतर्कता बढ़ाई गई है। सैन्य इलाकों के आसपास भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने शुक्रवार को कमिश्नरेट में अधिकारियों के साथ बैठक कर मॉक ड्रिल और पैदल गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। आगरा में एयरपोर्ट एरिया से लेकर ताजमहल तक खास सतर्कता बरती जा रही है। ड्रोन को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। होटलों की चेकिंग प्रतिदिन की जा रही है। होटलों में ठहरने वाले विदेशियों की जानकारी भी प्रबंधन को प्रशासन को तुरंत देनी होगी। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि ताज सुरक्षा के बारे में भी निर्देशित किया गया है। मॉक ड्रिल के साथ पैदल मार्च भी करेंगे। संवेदनशील इलाकों में पुलिस लगाई गई है। पुलिसकर्मियों की छुट्टी भी निरस्त है। खुफिया एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। किरायेदारों का सत्यापन कराया जा रहा है। बैठक में एडीसीपी आदित्य, डीसीपी अतुल शर्मा, डीसीपी सैयद अली अब्बास, एसीपी विनायक भोसले भी मौजूद रहे।

पश्चिमी सीमा पर उकसावे वाली हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान, ड्रोन से कर रहा घुसपैठ की कोशिश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तान की तरफ से लगातार सीमावर्ती शहरों पर ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं। वहीं भारतीय सेना अपने रक्षा प्रणालियों की मदद से इन सभी 'नापाक' प्रयासों को विफल और ड्रोन को मार गिरा रहा है। चौथे दिन पाकिस्तान की कायराना पर भारतीय सेना की तरफ से बयान जारी किया गया है। पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन हमलों और अन्य हथियारों के साथ हमारी पश्चिमी सीमाओं पर लगातार हमले जारी हैं। ऐसी ही एक घटना में, आज सुबह लगभग 5 बजे, अमृतसर के खासा कैंट के ऊपर कई दुश्मन के हथियारबंद ड्रोन उड़ते देखे गए। हमारी वायु रक्षा इकाइयों ने तुरंत ही दुश्मन के ड्रोनों पर हमला किया और उन्हें नष्ट कर दिया। भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करने और नागरिकों को खतरे में डालने का पाकिस्तान का यह प्रयास अस्वीकार्य है। भारतीय सेना दुश्मन के मंसूबों को नाकाम कर देगी। रक्षा अधिकारी के मुताबबिक, पाकिस्तान ने पंजाब के अमृतसर में बाइकर इ्न्द्ध॥ द्घद्घद्घ कामिकेज ड्रोन लॉन्च किए, जिससे पंजाब के रिहायशी इलाकों को खतरा की स्थिति बन गई थी। आज सुबह पांच बजे सेना की एयर डिफेंस गन ने इस प्रयास को विफल कर दिया और ड्रोन को हवा में ही नष्ट हो गया। ड्रोन का उद्देश्य नागरिक क्षेत्रों और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना था।

समुदायों के बीच तनाव पैदा करने कोशिश, कामयाब नहीं होगा... भारत की पाकिस्तान को चेतावनी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत ने एक बार कहा कि पाकिस्तान भारत में सांप्रदायिक आधार पर समुदायों के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहा है, जिसमें वो कभी सफल नहीं होगा। इसलिए वो बेतुके दावे कर रहा है, लेकिन उसके इरादे सफल नहीं होंगे। एक दिन पहले ही मिस्री ने कहा था कि पाकिस्तान धार्मिक स्थलों को निशाना बना रहा है,जिससे कि इन हालातों को सांप्रदायिक रंग दिया जा सके और तनाव उत्पन्न हो। शनिवार को विदेश सचिव ने पाकिस्तानी सेना के विभाजनकारी एजेंडे पर एक बार फिर प्रहार करते हुए कहा कि पाकिस्तान अपने हिंसक अभियान के तहत जम्मू और कश्मीर के साथ साथ पंजाब में नागरिकों और नागरिक इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना रहा है। इसके साथ ही वो अपनी एक लगातार चलने वाली ऐसी रणनीति पर भी काम कर रहा है, जिसके जरिए समुदायों में तनाव पैदा किया जा सके। विदेश सचिव ने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों के बेतुके दावे करना लगातार जारी हैं और इसी के तहत वो भारत की ओर से श्री अमरिंदर साहिब की ओर भारत के मिसाइल फायर करने का झूठ फैला रहे है। मिस्री ने कहा कि उनके ऐसे इरादे कभी कामयाब नहीं होंगे। इसके अलावा मिस्री ने पाकिस्तान की आर्मी के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी की प्रेस कॉन्फ्रेंस का ब्योरे का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें इस बात में मजा आता है कि कई मुद्दों पर भारत के लोग भारतीय सरकार की आलोचना करें। मिस्री ने कहा कि पाकिस्तान के लिए ये हैरानी की बात होगी कि किसी देश के नागरिक अपनी सरकार की आलोचना करें। मिस्री ने कहा कि ये स्वतंत्र और पारदर्शी लोकतंत्र का प्रमाण है। पाकिस्तान लोकतंत्र की इस सच्चाई से वाकिफ नहीं है, इसमें कोई हैरानी नहीं . इसके अलावा मिस्री ने पाकिस्तान के उस दावे को झुठलाया, जिसमें कहा गया कि भारतीय मिसाइलों ने अफगानिस्तान को भी निशाना बनाया है। मिस्री ने कहा कि ये पूरी तरह से आधारहीन आरोप हैं। उन्होंने कहा कि अफगान जनता जानती है कि पिछले डेढ़ साल में किसने कई मौकों पर अफगानिस्तान के नागरिकों और नागरिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया है। बता दे कि पिछले साल दिसंबर में भी पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी, उससे पहले भी वो दो बार ऐसा कर चुका है। दरअसल पाकिस्तान इस अफवाह के जरिए अफगानिस्तान के प्रशासन के मन में संदेह पैदा करने की कोशिश कर रहा है। बता दें कि भारत सरकार ने भले ही तालिबान को डिप्लोमैटिक मान्यता ना दी हो, लेकिन भारत तालिबान सरकार के संपर्क में लगातार बना हुआ है।

जंग में उतरेंगी धोनी-अभिनव बिंद्रा जैसी हस्तियां, सेना को टेरिटोरियल आर्मी बुलाने का मिला अधिकार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पाकिस्तान से तनाव के बीच केंद्र सरकार ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को टेरिटोरियल आर्मी (टीए) के अफसरों को भी मदद के लिए जुटाने का अधिकार दिया है। ऐसे में अगर जरूरत पड़ी तो क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, निशानेबाज अभिनव बिंद्रा, अभिनेता मोहनलाल और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भी दुश्मन के खिलाफ जंग के मैदान में मोर्चा संभालेंगे। कपिल देव व सचिन पायलट भी टीए का हिस्सा हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक सेना प्रमुख को टीए के हर अधिकारी व नामित व्यक्ति को बुला सकते हैं। इस संबंध में 6 मई को जारी आदेश 9 फरवरी, 2028 तक प्रभावी रहेगा। आदेश में यह भी कहा गया कि, टीए की मौजूदा 32 इन्फैंट्री बटालियनों में से 14 इन्फैंट्री बटालियनों को दक्षिणी कमान, पूर्वी कमान, पश्चिमी कमान, मध्य कमान, उत्तरी कमान, दक्षिण पश्चिमी कमान, अंडमान व निकोबार कमान और सेना प्रशिक्षण कमान क्षेत्रों में तैनाती के लिए शामिल किया जा सकता है। प्रादेशिक सेना, जिसे 9 अक्तूबर 1949 को स्थापित किया गया था, ने पिछले साल अपनी 75वीं वर्षगांठ मनाई थी। यह बल न सिर्फ युद्ध के समय देश की सेवा करता है, बल्कि आपदा राहत, पर्यावरण सुरक्षा और मानवीय मदद में भी सक्रिय भूमिका निभाता है। टीए पूरी तरह से नियमित सेना के साथ जुड़ा हुआ है और इसके जवानों को उनकी बहादुरी और सेवा के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। सरकार की अधिसूचना के अनुसार, मौजूदा 32 टीए इन्फैंट्री बटालियनों में से 14 को तैनात करने का आदेश दिया गया है। इन्हें देश के कई सैन्य कमानों में भेजा जाएगा।

सब्र से काम लें..., जब पाक पर कहर बन बरसी भारतीय सेना तो चीन देने लगा शांति की दुहाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

चीन ने शनिवार को भारत और पाकिस्तान से मौजूदा हालात में 'हौसला' रखने और 'सब्र' से काम लेने की अपील की है। दोनों पड़ोसी देशों के बीच सैन्य तनाव बढ़ने की खबरों के बीच चीन ने कहा कि वे इस स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं और उन्हें मौजूदा हालात को लेकर अपील की है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, "हम दोनों पक्षों से सख्ती से अपील करते हैं कि वे अमन और स्थिरता को ध्यान में रखें, सब्र और हौसला दिखाएं, बातचीत और सियासी तरीके से मसले का हल तलाशें और ऐसे किसी भी कदम से बचें जो हालात को और भड़का सके।" चीनी प्रवक्ता ने कहा कि मौजूदा हालात में किसी भी तरह की 'गलतफहमी' या 'उकसावे' से बचा जाना चाहिए, क्योंकि इसका असर पूरे इलाके की अमन और तरक्की पर पड़ेगा। उन्होंने कहा, "यह भारत और पाकिस्तान दोनों के बुनियादी हित में है, साथ ही पूरे इलाके की स्थिरता और अमन के लिए भी जरूरी है। यही वो बात है जो पूरी दुनिया की बिरादरी चाहती है।" बयान में यह भी कहा गया कि चीन इस दिशा में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। चीन ने पहले ही पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की थी और साथ ही कहा था कि मामले की जांच होनी चाहिए। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मौजूद आतंकी लॉन्चपैड्स पर सटीक हमले किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई में शुक्रवार की रात ड्रोन हमलों की एक और लहर चलाई, जिसमें जम्मू-कश्मीर से लेकर गुजरात तक 26 ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारतीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दुश्मन की कोशिश थी कि अहम ठिकानों जैसे एयरपोर्ट और एयरबेस को निशाना बनाया जाए, लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों ने सभी हमलों को नाकाम कर दिया। इधर, पाकिस्तान के डिप्टी प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने चीन के सीनियर राजनयिक वांग यी से 27 अप्रैल को टेलीफोन पर बात की थी। इसके बाद चीन के पाकिस्तान में राजदूत जिआंग झाइडोंग ने पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और इशाक डार से मुलाकात की थी। वहीं बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने चीन के कुछ सरकारी मीडिया पोस्टों को लेकर चिंता जताई है, जिनमें पाकिस्तान की सेना के दावों को प्रमुखता दी जा रही थी। 7 मई को दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर चीन के सरकारी टैब्लॉइड को आगाह करते हुए लिखा, "ऐसे पुराने चित्रों से सावधान रहें जिन्हें वर्तमान हालात में भ्रामक रूप से शेयर किया जा रहा है।" शनिवार को भारतीय दूतावास ने पीआईबी फैक्टचेक यूनिट की ओर से शेयर किए गए फर्जी खबरों के खंडन को भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया।

हाई अलर्ट पर हरियाणा! सचिवालय में बनेगी युद्ध आपातकालीन शाखा, छुट्टियों पर गए सभी कर्मचारी वापस बुलाए गए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चंडीगढ़

भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच हरियाणा में विभिन्न स्थानों पर दुश्मन सेना द्वारा ड्रोन और मिसाइलों से हमले की आशंका के मद्देनजर पूरा प्रदेश हाई अलर्ट पर है। आपात स्थितियों के दौरान विभागों में समन्वय बढ़ाने के लिए उप-सचिव (सचिवालय स्थापना) की देखरेख में राज्य सचिवालय में एक युद्ध आपातकालीन शाखा स्थापित की जाएगी। हमले या आपदा के दौरान जान-माल की सुरक्षा और आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में गठित राज्य नागरिक सलाहकार एवं कार्यान्वियन समिति की पहली बैठक शनिवार को हुई। मुख्य सचिव ने सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए हैं कि वे छुट्टी पर गए अधिकारियों और कर्मचारियों को तुरंत वापस बुलाएं। आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए अग्रिम और आकस्मिक योजनाएं भी तैयार रखें। विभाग कम समय में आवश्यक उपाय लागू करने के लिए खुद को तैयार रखें। गृह सचिव और समिति की उपाध्यक्ष डॉ. सुमिता मिश्रा ने इंटरनेट मीडिया पर चल रही फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं के दृष्टिगत सख्त कार्रवाई का निर्देश देते हुए कहा कि ऐसी सामग्री की प्रभावी रूप से निगरानी की जानी चाहिए। गलत सूचना फैलाने वाले सभी खातों को ट्रैक और बंद किया जाना चाहिए। प्रशासनिक सचिव आपातकालीन प्रतिक्रिया से जुड़ी तमाम आवश्यक कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। हर विभाग उप-सचिव या समकक्ष स्तर का एक ड्यूटी अधिकारी नामित करें, जो विभाग की प्रतिक्रिया के समन्वय तथा राज्य और केंद्र सरकारों से सभी तरह के संचार के लिए जिम्मेदार होगा। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने नामित अधिकारियों का संपर्क विवरण शाम तक मुख्य सचिव कार्यालय में जमा करवाएं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है। स्टाकिस्टों को निर्देश दिए गए हैं कि वे केंद्र और राज्य सरकार के पोर्टलों पर वास्तविक समय के आधार पर अपनी सूची अपलोड करें। कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सभी विभागों के बड़े अधिकारियों ने कार्ययोजना साझा की।

कांग्रेस की विशेष सत्र की मांग, कहा- पीएम मोदी अध्यक्षता में हो सर्वदलीय बैठक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोके जाने की सहमति बनने के बाद शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाया जाए, ताकि देश एकजुट होकर सामूहिक संकल्प का प्रदर्शन कर सके। पार्टी के कई नेताओं ने इस मौके पर 1971 के युद्ध में भारत की जीत का जिक्र करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व और साहस को याद किया। विपक्षी पार्टी ने संघर्ष विराम में अमेरिका की भूमिका पर भी सवाल उठाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा-संघर्ष विराम को लेकर अभूतपूर्व घोषणाओं के मद्देनजर अब जरूरी है कि प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करें और राजनीतिक दलों को विश्वास में लें। अब पहले से कहीं ज्यादा इस बात की जरूरत है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए, जिसमें पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले से लेकर आगे की रणनीति तक पिछले 18 दिनों की घटनाओं पर चर्चा की जाए और सामूहिक संकल्प प्रदर्शित किया जाए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा